हरिभूमि
# सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, रविवार, 16 मार्च 2025

12 शहर की सड़कों से लेकर गांव की गलियों तक में रही होली...

12 सात दिवसीय 'यूथ फॉर माई भारत' एनएसएस शिविर का समापन

## खबर संक्षेप

### गाड़ी की टक्कर से बाइक सवार की मौत

**फतेहाबाद।** भट्टू रोड पर नर्सिंग कॉलेज के पास एक तेजगति टाटा ऐस गाड़ी ने एक मोटरसाइकिल में सीधी टक्कर दे मारी। इस हादसे में बाईक सवार व्यक्ति की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही थाना शहर फतेहाबाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई और मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया वहीं टाटा ऐस चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

### चाय कैंटीन के लिए खुली बोली 20 मार्च को

**फतेहाबाद।** फतेहाबाद के लघु सचिवालय भवन खंड प्रथम के बाहर तहसील के सामने, तृतीय तल स्थित व लघु सचिवालय भवन खंड द्वितीय अंत्योदय सरल केंद्र के सामने की ओर निर्धारित परिसर में चाय कैंटीन का कार्य करने के लिए वित्त वर्ष 2025-26 एक अप्रैल, 2025 से 31 मार्च, 2026 तक की अवधि के लिए 20 मार्च को दोपहर बाद 3 बजे खुली बोली के माध्यम से ठेका आधार किराया पर देने के लिए नीलामी का आयोजन किया जाएगा। इच्छुक बोलीदाता को 50 हजार रुपये की राशि बैंक ड्राफ्ट बतौर धरोहर राशि बोली शुरू होने से पहले जमा करवानी होगी, जिसमें से दस हजार रुपये धरोहर राशि रखी जाएगी तथा बकाया राशि का समायोजन बोली अनुसार ठेका राशि में कर दिया जाएगा।

### अज्ञात वाहन की चपेट में आया बाइक सवार, मौत

**रतिया।** गांव रतनगढ़ के समीप अज्ञात वाहन ने एक मोटरसाइकिल में टक्कर दे मारी। इस हादसे में बाईक सवार व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे उपचार के लिए हिसार के निजी अस्पताल में ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस बारे सूचना मिलते ही रतिया पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई और मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया वहीं अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में ख्वाहिश ने कहा है कि उसके पिता गत दिवस मोटरसाइकिल पर सवार होकर गांव सरदारेवाला से रतिया की तरफ जा रहे थे तभी हादसा हुआ।

### दूध डेयरी से चोरों ने 35 किलो देसी घी किया चोरी

**फतेहाबाद।** चोरों ने रतिया में एक दूध डेयरी के ताले तोडक़र वहां से 35 किलो घी चोरी कर लिया। इस बारे सूचना मिलते ही रतिया पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई और केस दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी शिकायत में वार्ड नं. 1 रतिया निवासी कमलप्रीत सिंह ने कहा है कि उसकी रतिया में जुगनी डेयरी के नाम से दुकान है। गत दिवस रात को वह दुकान को बंद करके घर चला गया था। अगले सुबह जब वह दुकान पर आया तो उसने देखा कि उसकी दुकान का ताला टूटा हुआ था और दुकान में सामान बिखरा पड़ा था। जब उसने दुकान में सामान को चैक किया तो पाया अज्ञात चोर उसकी दुकान से करीब 35 किलो घी चोरी कर ले गए हैं।

### होली पर्व पर प्रश्नोतरी प्रतियोगिता का आयोजन

**सिरसा।** लायंस क्लब सिरसा अमर द्वारा होली पर्व पर प्रीत नगर के ब्यूटी पार्लर में प्रश्नोतरी प्रतियोगिता हुई जिसकी अध्यक्षता सैंटर की संचालिका संदीप कौर ने की। क्लब के संस्थापक अध्यक्ष रमेश साहुवाला ने बतौर मुख्यातिथि प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार सुमन, द्वितीय पुरस्कार मुस्कान एवं तृतीय पुरस्कार जानवी को दिया। इसके साथ-साथ दो सांत्वना पुरस्कार प्रियंका एवं भावना राजपूत को दिया गया। क्लब के सचिव रिखिल नागपाल ने बताया कि बेटियों एवं महिलाओं ने होली से संबंधित प्रश्नों का बखूबी जवाब दिया।

---

मांगों को लेकर सड़कों पर उतरने को मजबूर किसान

## कुरुक्षेत्र में प्रदर्शन को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा की तैयारियां तेज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

हरियाणा में किसान एक बार फिर आंदोलन की राह पर हैं। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर 20 मार्च को कुरुक्षेत्र के पिपली स्थित देवीलाल पार्क में बड़ा प्रदर्शन होगा। किसान अपनी मांगों को लेकर फिर से सड़कों पर उतरने को मजबूर हैं। प्रदेश भर के किसान संगठनों की इस प्रदर्शन की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। संयुक्त किसान मोर्चा के नेता किसान नेता जगतार सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय के सामने होने वाले इस राज्य स्तरीय प्रदर्शन में कई अहम मांगें रखी जाएंगी। इनमें गेहूं की फसल पर बोनस की मांग प्रमुख है। साथ ही नई कृषि व्यापार नीति को रद्द करने और एमएसपी गारंटी कानून बनाने की मांग भी की जाएगी। उन्होंने बताया कि किसानों की अन्य प्रमुख मांगों में बर्बाद फसलों का मुआवजा और स्मार्ट मीटर योजना को रद्द करना शामिल है। जगतार सिंह ने कहा कि प्रदर्शन को सफल बनाने के लिए जिले के गांवों में किसान संगठन लोगों को जागरूक कर रहे हैं।

---

*दोपहर डेढ़ बजे पानी की सप्लाई बहाल हो सकी*

## मुख्य जलघर का मेन वॉल्व खराब होने से फाग के अगले दिन सप्लाई नहीं हुआ पेयजल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

शनिवार अलसुबह भट्टू रोड स्थित जनस्वास्थ्य विभाग के बुस्टिंग स्टेशन पर शहर की मुख्य जलघर सप्लाई का मेन वॉल्व खराब होने के कारण शहर में सुबह पानी की सप्लाई नहीं हो सकी। हालांकि ग्रुप के माध्यम से पब्लिक हैल्थ के कर्मचारियों ने शहरवासियों को इस बारे सूचित कर दिया था लेकिन फाग के अगले दिन ही फाग की ज्यादा जरूरत होने के चलते पेयजल सप्लाई न आने से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। दोपहर तक वाल्व ठीक होने के बाद डेढ़ बजे पानी की सप्लाई बहाल हो सकी। जनस्वास्थ्य विभाग के जेई बलविन्द्र सिंह ने बताया कि सुबह 4 बजे मौके पर ही वाल्व खराब होने का पता चला था। वाल्व को ठीक कर दोपहर में शहर में पेयजल सप्लाई सामान्य रूप से की गई है।

**फतेहाबाद।** भट्टू रोड स्थित जनस्वास्थ्य विभाग का कार्यालय।

### वॉल्व ठीक करने में लगा 10 घंटे का समय

फतेहाबाद की पेयजल आपूर्ति खैरातीखेड़ा स्थित वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट से होती है। यहां मुख्य जलघर है। जहां 15 एमएलडी की वॉटर कैपेस्टी है। यहीं से पानी शहर के अन्य बुस्टिंग स्टेशनों पर जाता है और वहां से अलग-अलग क्षेत्रों में सप्लाई दी जाती है। शहर में अलसुबह 4 बजे ही पानी की सप्लाई शुरू हो जाती है। शनिवार अलसुबह जनस्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी पानी की सप्लाई छोडऩे के लिए गए तो देखा कि जलघर का मेन वाल्व खराब पड़ा था, जिसे ठीक करने में करीब 10 घंटे का समय लगा। इस दौरान शहर के भट्टू रोड, बीघड़ रोड, अनाज मण्डी, मॉडल टाऊन, प्रताप मार्किट, थाना रोड, जवाहर चौक, कबीर बस्ती, भाटिया कालोनी सहित अनेक कालोनियों में पेयजल की सप्लाई नहीं हो सकी।

---

जिले में इस बार 33 हजार एकड़ में हुई सरसों की बिजाई

## सरसों की सरकारी खरीद शुरू, फतेहाबाद की मंडियों में पहले दिन नहीं हुई आवक

- हैफेड के अलावा वेयर हाऊस भी सरसों की खरीद करेगा
- सरसों बेचने के लिए मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल पर पंजीकरण करवाना होगा

*मार्केट में अब सरसों का भाव 5400 से लेकर 5600 रुपये प्रति क्विंटल तक चल रहा है। नई सरसों आने के बाद मार्केट का भाव के कम होने की संभावना है। ऐसे में सरकार द्वारा समर्थन मूल्य 5950 रुपये पर सरसों खरीदने पर किसान को प्रति क्विंटल 200 से 500 रुपये तक का फायदा मिलेगा।*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

प्रदेश में शनिवार से सरसों की सरकारी खरीद शुरू हो गई है। मार्किट कमेटी ने सरसों खरीद को लेकर व्यापक प्रबंध कर रखे हैं। शनिवार को पहले दिन मंडियों में कोई भी किसान अपनी सरसों लेकर नहीं आया। बता दें यहां पर भट्टू, भूना और फतेहाबाद की अनाज मण्डियों में सरसों की खरीद की जाएगी। हैफेड के अलावा वेयर हाऊस भी सरसों की खरीद करेगा।

सरसों उत्पादक किसानों को सरसों बेचने के लिए मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल पर पंजीकरण करवाना होगा। रजिस्ट्रेशन करवाने वाले किसानों की सरकार द्वारा एमएसपी पर सरसों की फसल खरीदी जाएगी। जिले में भी प्रशासन द्वारा सरसों खरीद को लेकर पूरी तैयारियां कर ली गई है। जिले के तीन अनाज मण्डियों फतेहाबाद, भूना और भट्टू में सरसों की खरीद होगी। सरसों खरीद को लेकर अनाज मंडी के अधिकारियों के साथ खरीद एजेंसी को भी व्यवस्था बनाने के आदेश जारी कर दिए है। बता दें कि जिले में इस बार 33 हजार एकड़ में सरसों की बिजाई की गई है। इसमें से 30 हजार 498 एकड़ का तो किसानों ने मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल पर जाकर पंजीकरण करवाया हुआ है जबकि बकाया अढ़ाई हजार एकड़ ऐसी फसल है, जिसका किसानों ने अभी तक पोर्टल पर पंजीकरण नहीं करवाया है। नियम है कि जिस किसान द्वारा पोर्टल पर पंजीकरण करवाया जाएगा, केवल उसकी फसल को ही सरकार द्वारा एमएसपी पर खरीदा जाएगा। इस बार सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य यानि एमएसपी 5950 रुपये प्रति क्विंटल घोषित किया गया है, जोकि पिछले साल से 300 रुपये अधिक है। मार्केट में अब सरसों का भाव 5400 से लेकर 5600 रुपये प्रति क्विंटल तक चल रहा है। नई सरसों आने के बाद मार्केट का भाव के कम होने की संभावना है। ऐसे में सरकार द्वारा समर्थन मूल्य 5950 रुपये पर सरसों खरीदने पर किसान को प्रति क्विंटल 200 से 500 रुपये तक का फायदा मिलेगा।

सरसों की सरकारी खरीद शनिवार से शुरू हो गई है। पहले दिन जिले में सरसों की आवक नहीं हुई। भट्टूकलां के अलावा फतेहाबाद और भूना अनाज मण्डी में भी सरसों की फसल को एमएसपी पर खरीदा जाएगा।

फतेहाबाद। मार्किट कमेटी कार्यालय।

### निर्धारित समय में करवाएं पंजीकरण

पोर्टल पर पंजीकरण करवाने वाले किसानों की ही एमएसपी पर खरीद होगी इसलिए अभी तक जिन किसानों ने अपनी फसल का पंजीकरण नहीं करवाया है। वे किसान निर्धारित समय रहते फसल का पंजीकरण करवा लें ताकि उन्हें फसल बेचने में कोई परेशानी न हो।

**-यशपाल मेहता, सचिव मार्किट कमेटी फतेहाबाद**

### एमएसपी के बाद सरसों का रकबा बढ़ा

*2014-15 में सरसों का समर्थन मूल्य 3050 रुपये निर्धारित किया हुआ था, लेकिन उस दौरान सरकार सरसों की सरकारी खरीद नहीं करती थी। ऐसे में किसान को एमएसपी महज कागजों में रहता था। सरसों 2 हजार से लेकर ढाई हजार रुपये प्रति क्विंटल तक बिकती थी। इसके बाद सरकार ने सरसों की खेती को बढ़ावा देने के लिए एमएसपी पर खरीद शुरू की। प्रदेश सरकार ने सरसों की खरीद की तो इसका रकबा भी बढने लग गया। कृषि विभाग के अनुसार इस बार किसानों ने सरसों की खेती रतिया, कुलां व टोहाना में भी बड़ी संख्या में की है। भूना, फतेहाबाद व भट्टू में तो सरसों की खेती होती ही है। यह सब सरकार द्वारा सरसों की फसल समर्थन मूल्य पर खरीदने के कारण ही संभव हुई। अब एमएसपी 5950 रुपये हैं। सरकार सरकारी खरीद इसी रेट पर ही करेंगी। सरकार द्वारा पाम ऑयल पर रोक लगाने से सरसों एक बार 9 हजार रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंच गई थी। बाद में सरसों का तेल महंगा होने के कारण सरकार को पाम ऑयल की रोक को हटाना पड़ा।*

---

पानी की राशनिंग की प्लानिंग

## सिरसा में 25 दिन बंद रहेगी फतेहाबाद ब्रांच नहर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

जिला सिरसा में सिंचाई विभाग की फतेहाबाद ब्रांच की ओर से 10 दिन बाद 25 दिन के लिए नहरबंदी रखी जाएगी। फतेहाबाद ब्रांच के एक्सईएन से इसका पत्र मिलने के साथ ही पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट की ओर से पानी की राशनिंग की प्लानिंग कर ली गई है। 16 मार्च से सिरसा शहर में एक समय पेयजल सप्लाई दी जाएगी। सुबह 4.30 बजे से 7 बजे तक ही घरों में पानी की सप्लाई आएगी। सिंचाई विभाग ने भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड द्वारा वार्षिक मेंटेनेंस का कार्य करने के चलते 25 मार्च से 20 अप्रेल तक नहरबंदी रखने का फैसला लिया है। उल्लेखनीय है कि सिरसा जिले की सात डिस्ट्रीब्यूटरी मेजर, बरवाली, शेरांवाली, गिगोरानी, कुतियाणा, बनमंदोरी डिस्ट्रीब्यूटरी व नोहर फीडर में भाखड़ा नहर से ही पानी की सप्लाई आती है। यह सप्लाई फतेहाबाद होते हुए सिरसा आती है। इन्हीं डिस्ट्रीब्यूटरी के जरिए सिरसा शहर व गांवों के जल घरों में पानी का भंडारण किया जाता है।

### 5 लाख से अधिक आबादी होगी प्रभावित

फतेहाबाद ब्रांच के जरिए जिले में सिरसा शहर, ऐलनाबाद व नाथूसरी चौपटा क्षेत्र में पेयजल सप्लाई आती है। इस कारण शहर व इन क्षेत्रों के गांवों की पांच लाख से अधिक आबादी प्रभावित होगी। आगामी 25 मार्च तक सभी गांवों व शहर के जलघरों में पर्याप्त स्टोरेज होनी भी मुश्किल है। ऐसे में जनता को पेयजल सप्लाई की कमी झेलनी पड़ सकती है। वहीं जनस्वास्थ्य विभाग के मुताबिक मेजर डिस्ट्रीब्यूटरी में 23 मार्च को पानी आएगा। इसके दो दिन बाद 25 मार्च से 20 अप्रेल तक नहरबंदी रहेगी। दो दिन में पानी का स्टोरेज किया जाएगा। कोशिश रहेगी कि आमजन को पेयजल संबंधी दिक्कत न झेलनी पड़े।

---

होली पर पुलिस की कार्रवाई

## 26 हुड़दंग करने वालों के काटे चालान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

होली पर हुड़दंगियों के खिलाफ यातायात पुलिस सख्त नजर आई। यातायात पुलिस प्रभारी शमशेर सिंह अपनी पूरी टीम के साथ शहर की सडक़ों पर पूरे सक्रिय रहे। शमशेर सिंह ने होली के पर्व पर सुबह सवेरे ही शहर के विभिन्न भागों में राउंड लेना शुरू कर दिया था। इस दौरान जहां उन्होंने शहर के विभिन्न बाजारों में लोगों को होली पर्व की शुभकामनाएं दी। वहीं उन्होंने अपने यातायात थाने के समक्ष भी आमजन को प्यार से रंग भी लगाया और उन्हें तिलक होली व फूलों से होली खेलने के लिए प्रोत्साहित भी किया। जिला यातायात प्रभारी ने इस अवसर पर लोगों को शांति से होली उत्सव मनाने व यातायात नियमों की परिपालना करने का आह्वान किया।

---

*आरोपियों पर पहले भी दर्ज हैं लूट व एनडीपीएस एक्ट के मामले*

## लूट गिरोह का पर्दाफाश, पुलिस ने तीन युवकों को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| डबवाली

पुलिस ने गांव पिपली क्षेत्र में हुई करीब 80 हजार रुपये की लूट की वारदात का पर्दाफाश करते हुए गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए लुटेरों के खिलाफ पहले भी लूट व एनडीपीएस एक्ट के तहत मामले दर्ज हैं। पुलिस ने लुटेरों को रिमांड पर लिया है ताकि अन्य वारदातों का भी खुलासा हो सके। डबवाली के पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने शनिवार को बताया कि राजस्थान निवासी राजबीर सिंह की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। उन्होंने बताया कि सीआईए कालांवाली प्रभारी विरेंद्र सिंह ने महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को अदालत में पेश करके पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा और गहनता से पूछताछ करके चोरीशुदा संपत्ति बरामद की जाएगी।

**सिरसा।** पकड़े गए गिरोह के सदस्य।

### युवक से नकदी व मोबाइल लूटा

आरोपियों की पहचान जसबीर उर्फ जस्सी, अमृत उर्फ ज्ञानी निवासी सूरतिया व गोरा सिंह उर्फ खान पुत्र झगड़ू सिंह निवासी मिया जिला मानसा पंजाब के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि राजबीर सिंह ने पुलिस को दर्ज करवाई शिकायत में बताया था कि वह एल एंड टी कंपनी में कार्यरत है और विभिन्न गांवों से किस्त एकत्रित करता है। बीती 5 फरवरी को वह डबवाली से गांव असीर में किस्त के रुपये लेने के लिए अपने मोटरसाइकिल पर सवार होकर गांव पिपली से असीर की तरफ जा रहा था। रास्ते में अज्ञात युवकों ने उसका बैग छीन लिया जिसमें करीब 80 हजार रुपये थे। आरोपी उसका मोबाइल भी छीन ले गए। उन्होंने बताया कि काबू किए गए आरोपियों पर एनडीपीएस व लूट के और भी मामले दर्ज हैं।

---

गणतंत्र दिवस पर मजदूर के साथ की थी मारपीट

## एफआईआर दर्ज कराने के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई, एससी आयोग को भेजी शिकायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

गांव बड़ोपल में रह रहे विजय कुमार के साथ गांव के ही तीन चार लोगों ने गणतंत्र दिवस के दिन मारपीट की। इसके बाद पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दी तो एफआईआर दर्ज करके इतिश्री कर ली। इसके बाद दो बार शिकायतकर्ता के बयान दर्ज हो गए, लेकिन अभी तक किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं हुई। अब शिकायतकर्ता विजय कुमार ने एससी आयोग पंचकुला शिकायत भेजकर कार्रवाई की मांग की। जिसमें विजय ने बताया कि 26 जनवरी की शाम को एक किसान सुंदर के खेत में काम कर रहा था। उसी दौरान वहां पर बड़ोपल के ही रवि उर्फ शिव बिश्नोई, बिट्टू व दिनेश बिश्नोई ने आकर मारपीट कर दी। इसके बाद उसने अस्पताल में भी इलाज करवाया। उसकी भी रिपोर्ट पुलिस को दी। विजय ने बताया कि उसने उक्त तीनों लोगों के साथ पिछले साल गेहूं के सीजन में काम किया। उसके बकाया रुपये मांगे तो उसके साथ मारपीट की।

---

उपभोक्ता अधिकार दिवस पर कार्यशाला

## जागरूक उपभोक्ता के लिए अपने अधिकारों का ज्ञान जरूरी : ग्रोवर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बप्पा में शनिवार को अंतरराष्ट्रीय उपभोक्ता अधिकार दिवस के अवसर पर कार्यशाला हुई। कार्यशाला में मुख्यवक्ता राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के इंचार्ज नरेश कुमार ग्रोवर ने विद्यार्थियों को उपभोक्ता अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने बताया कि एक जागरूक उपभोक्ता के लिए अपने अधिकारों और कर्तव्यों का ज्ञान अत्यंत आवश्यक है। वर्तमान समय में उपभोक्ताओं के साथ कई प्रकार के शोषण किए जा रहे हैं, जैसे मिलावटी सामान की बिक्री, अनुचित मूल्य निर्धारण और धोखाधड़ी। उन्होंने विद्यार्थियों को जागरूक करते हुए बताया कि जब भी बाजार में कोई वस्तु खरीदें, तो उसकी गुणवत्ता की जांच करें, उचित मूल्य चुकाएं, और बिल अवश्य लें। साथ ही, गारंटी और वारंटी कार्ड की महत्ता को भी समझाया गया। उन्होंने बताया कि पेट्रोल भरवाते समय सही मात्रा की जांच करें तथा जागरूक उपभोक्ता बनकर अपने अधिकारों की रक्षा करें।

---

पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव, 5 डिग्री तक लुढ़का तापमान

## बारिश के बाद चली हवाएं, गेहूं की फसल बिछी, आज भी तेज हवाओं के आसार

अधिकतम तापमान 27 डिग्री व न्यूनतम 14 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव होने के चलते शुक्रवार दोपहर बाद मौसम बदला और देर रात को दो बार बारिश हुई। ज्यादा बारिश जिले के कुलां और भट्टू क्षेत्र में दर्ज की गई। बारिश के बाद यहां का तापमान 5 डिग्री तक लुढक गया। शनिवार को यहां का अधिकतम तापमान 27 डिग्री व न्यूनतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। बारिश के बाद हवाएं चलने से गेहूं की फसल बिछ गई। भट्टूकलां में 11 एमएम, कुलां में 12 एमएम व फतेहाबाद में 7 एमएम बरसात दर्ज की गई। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि अगर अब हवाएं चलती हैं तो गेहूं की फसल को नुकसान होगा। पिछले कई दिनों से मौसम विभाग ने यहां पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव होने के चलते बादलवाही व बरसात के आसार बता रखे थे। शुक्रवार शाम को आसमान में बादल छा गए और हवाएं चलने लगी। रात को करीब 11 बजे व शनिवार अलसुबह 5 बजे बारिश से मौसम में ठंडक आ गई। फतेहाबाद के बड़ोपल, कुलां, टोहाना, भट्टूकलां में औसत से ज्यादा बरसात दर्ज की गई। बरसात के बाद हवाएं चली तो गेहूं की फसल बिछ गई जिससे किसानों की सांसें सूख गई। शनिवार सुबह फिर बादल छाये। हालांकि बाद में धूप निकलने से मौसम सामान्य हो गया। बारिश के बाद हवाएं चलने से बड़ोपल, कुलां व जाखल के गांव म्योंद कलां, लाम्बा व चिम्मो में गेहूं की फसल जमीन पर बिछ गई। मौसम विभाग ने 16 मार्च को भीमौसम परिवर्तनशील रहने और उसके बाद आंधी और तेज हवाएं चलने की चेतावनी दी है।

जिले में हुई बरसात

| | |
|---|---|
| फतेहाबाद | 7 एमएम |
| रतिया | 3 एमएम |
| टोहाना | 9 एमएम |
| भूना | 7 एमएम |
| भट्टूकलां | 11 एमएम |
| जाखल | 10 एमएम |
| कुलां | 12 एमएम |

**फतेहाबाद।** बरसात से बिछी गेहूं की फसल।

# जल्द पूरे कर लें टैक्स से जुड़े कुछ जरूरी काम वरना लगेगा जुर्माना

सुझाव | बिजनेस डेस्क

मार्च का महीना समाप्त होने वाला है और इसके साथ ही वित्तीय वर्ष 2024-25 (वित्त वर्ष 25) भी अपने अंतिम चरण में है। इस महीने के खत्म होते ही कई टैक्स से जुड़ी अहम समय-सीमाएं भी पूरी हो जाएंगी, जिनमें टीडीएस भुगतान, आईटीआर फाइलिंग और अन्य टैक्स दायित्व शामिल हैं। ऐसे में किसी भी तकनीकी गड़बड़ी या पेनल्टी से बचने के लिए समय पर सभी टैक्स संबंधित कार्य पूरे कर लेना बेहद जरूरी है। टैक्सपेयर्स के लिए जरूरी है कि वे महत्वपूर्ण टैक्स डेडलाइंस पर नज़र रखें, जिससे सभी दायित्वों को सही समय पर पूरा किया जा सके और अंतिम समय की परेशानी से बचा जा सके। मार्च में कई अहम टैक्स डेडलाइंस हैं, जिन पर ध्यान देना जरूरी है। मार्च 2025 में कई अहम टैक्स डेडलाइन्स आ रही हैं, जिनका पालन करना जरूरी है। समय पर टैक्स भरने से पेनल्टी और अन्य दिक्कतों से बचा जा सकता है। इस रिपोर्ट में जानते हैं इस महीने की प्रमुख टैक्स समय-सीमाएं।

### 15 मार्च: एडवांस टैक्स और फॉर्म 24 जी

असेसमेंट ईयर 2025-26 के लिए एडवांस टैक्स की चौथी और आखिरी किस्त भरने की अंतिम तारीख 15 मार्च है। जो टैक्सपेयर्स प्रेजम्पटिव टैक्सेशन स्कीम (सेक्शन 44एडी/44एडीए) के तहत आते हैं, उन्हें पूरे साल का एडवांस टैक्स 15 मार्च तक भरना होगा। सरकारी दफ्तरों को, जिन्होंने फरवरी में बिना चालान के टीडीएस/टीसीएस काटा है, उन्हें इस दिन तक फॉर्म 24जी जमा करना होगा।

### 17 मार्च: टीडीएस सर्टिफिकेट

सेक्शन 194-आईए, 194-आईबी और 194एस के तहत जनवरी 2025 में काटे गए टीडीएस का सर्टिफिकेट जारी करने की आखिरी तारीख 17 मार्च है।

### 30 मार्च: चालान-कम-स्टेटमेंट

फरवरी 2025 के लिए सेक्शन 194-आईए, 194-आईबी, 194एम और 194एस के तहत काटे गए टैक्स की रिपोर्टिंग चालान-कम-स्टेटमेंट के जरिए करनी होगी। इसकी अंतिम तारीख 30 मार्च है।

### 31 मार्च: फॉर्म 3सीईएडी, फॉर्म 67 और अपडेटेड आईटीआर

-फॉर्म 3सीईएडी : मल्टीनेशनल कंपनियों को फाइनेंशियल ईयर 2023-24 के लिए कंट्री बाई कंट्री फाइल करनी होगी। यह रिपोर्ट पैरेंट एंटिटी या भारत में किसी अल्टरनेटिव रिपोर्टिंग एंटिटी द्वारा सबमिट की जा सकती है। अगर पैरेंट एंटिटी सेक्शन 286(2) के तहत छूट प्राप्त है या किसी ऐसे देश में स्थित है जहां भारत के साथ टैक्स जानकारी साझा करने का समझौता नहीं है, तो कंपनी की अन्य संबंधित एंटिटी यह रिपोर्ट फाइल कर सकती है।

#### फॉर्म 67

अगर किसी टैक्सपेयर ने 2022-23 के लिए फॉरिजन टैक्स क्रेडिट का दावा किया है, तो उन्हें यह फॉर्म 31 मार्च तक भरना होगा। यह उन लोगों के लिए जरूरी है, जिन्होंने सेक्शन 139(1) या 139(4) के तहत समय पर अपना इनकम टैक्स रिटर्न फाइल किया था।

#### अपडेटेड आईटीआर

असेसमेंट ईयर 2022-23 के लिए अपडेटेड इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने की आखिरी तारीख भी 31 मार्च है।

*नोट : इन जरूरी तारीखों को ध्यान में रखते हुए टैक्सपेयर्स को सभी दस्तावेज समय पर फाइल कर लेने चाहिए, ताकि किसी भी तरह की पेनल्टी या लीगल कार्रवाई से बचा जा सके।*

## ऐसे करें निवेश, चक्रवृद्धि ब्याज का जादू दिखाएगा कमला, सात पुश्तें भी जिंदगीभर बैठकर खाएंगी

# एसडब्ल्यूपी निवेश का बेहतरीन फॉर्मूला, भविष्य होगा चकाचक

निवेश मंत्रा | बिजनेस डेस्क

- बिना काम किए जिंदगीभर एक निश्चित रकम आती रहेगी
- एक करोड़ के बन जाएंगे तीस करोड़, सभी खर्चे होंगे पूरे

*इसका सबसे अच्छा तरीका एसडब्ल्यूपी है। जैसे एसआईपी होता है, उसका उलट एसडब्ल्यूपी है। आपको एसडब्ल्यूपी के जरिए किसी म्यूचुअल फंड में एक करोड़ रुपये निवेश करने होंगे। फिर वहां से आप हर महीने अपने खर्चे लायक एक फिक्स रकम निकाल सकते हैं। इसके बाद भी ये एक करोड़ लगातार बढ़ते रहेंगे। धीरे-धीरे यह रकम इतनी बढ़ जाएगी कि सात पुश्तों तो क्या, इसके आगे की पीढ़ी भी घर बैठकर खाती रहेगी।*

अगर आपके पास बड़ी रकम है और चाहते हैं कि बिना काम किए जिंदगीभर एक निश्चित रकम आती रहे तो यह संभव है। इसके लिए आपको एक प्लान के तहत निवेश करना होगा। इससे आपका और आपके बच्चों तक का भविष्य सुरक्षित हो जाएगा। आपकी सात पुश्तें भी आराम से बैठकर खा सकती हैं। आपको इसके लिए लक्ष्य तय कर निवेश करना होगा। ऐसे निवेश के लिए सबसे बेहतर तरीका एसडब्ल्यूपी है। यह एसआई के विपरीत अच्छा मुनाफा देने में सक्षम है। इस योजना में आपको चक्रवृद्धि ब्याज का जादू देखने को मिलेगा और आप मालामाल हो जाएंगे और कमाने के लिए बाहर नही जाना पड़ेगा बिना कुछ किए ही एक निश्चित रकम आपको हर महीने मिलती रहेगी। ऐसा बिलकुल संभव है इसे संभव बनाता है म्यूचुअल फंड। इसमें बड़ी रकम निवेश करके न केवल आप बल्कि आपकी सात पुश्तें भी जिंदगीभर बैठकर खा सकती हैं। काफी लोग ऐसे हैं जिनके पास काफी पैसा है। वह उस पैसे को कई जगह निवेश करते हैं। काफी ऐसी स्कीम हैं, जिनमें एक फिक्स रिटर्न मिलता है। इनमें एफडी, एनपीएस शामिल हैं। हालांकि इनसे मिलने वाला रिटर्न काफी कम होता है। वहीं, अगर आपके पास एक करोड़ रुपये हैं तो इससे न केवल आप बल्कि आपकी सात पुश्तें भी जिंदगीभर बैठकर खा सकती हैं, लेकिन इसके लिए इस एक करोड़ रुपये को भी सही जगह निवेश करना होगा।

### कैसे काम करता है एसडब्ल्यूपी

*हर म्यूचुअल फंड सालाना कुछ न कुछ रिटर्न देता है। डेटा के मुताबिक सालाना रिटर्न 15 फीसदी या इससे ज्यादा तक मिलता है। जब आप एक करोड़ रुपये किसी म्यूचुअल फंड में निवेश करेंगे तो इस पर भी आपको रिटर्न मिलेगा। जानकारों के मुताबिक एसडब्ल्यूपी में सालाना रिटर्न 8 फीसदी से ज्यादा मानकर नहीं चलना चाहिए। हालांकि रिटर्न इससे ज्यादा मिल सकता है। ऐसे में न केवल आप हर महीने कुछ रकम निकाल सकेंगे, बल्कि आपकी रकम भी बढ़ती जाएगी।*

### हर महीने कितने रुपये मिलेंगे

एसडब्ल्यूपी के दौरान आपको इस बात का ध्यान रखना होगा कि वर्षों तक के लिए आप हर महीने बहुत ज्यादा रकम नहीं निकाल सकते। मान लें कि कोई म्यूचुअल फंड 8 फीसदी सालाना रिटर्न दे रहा है। इसमें एक करोड़ रुपये निवेश करके आप हर महीने 50 हजार रुपये जिंदगीभर निकाल सकते हैं। अगर आप 30 साल तक 50 हजार रुपये महीने निकालते हैं तब भी 30 साल बाद भी आपकी यह रकम बढ़कर 3 करोड़ रुपये से ज्यादा की बचेगी।

### कैसे कमाई करेंगी सात पुश्तें

चूंकि आपके पास अभी 3 करोड़ रुपये हैं। आप चाहें तो जिंदगीभर हर महीने 50 हजार या इससे ज्यादा की रकम और ले सकते हैं। मान लें कि आप ये 30 करोड़ रुपये अपने बच्चों के लिए छोड़ जाते हैं। 30 साल बाद महंगाई बढ़ेगी। साथ ही म्यूचुअल फंड का रिटर्न भी बढ़ने की उम्मीद रहेगी। अगर आपकी पीढ़ी उन 3 करोड़ रुपये को किसी ऐसे म्यूचुअल फंड में निवेश करती है जो 10 फीसदी सालाना का रिटर्न दे रहा हो। तो ऐसे में आपकी वह पीढ़ी 30 साल तक एक लाख रुपये महीने निकाल सकती है। इसके बाद भी ये 3 करोड़ रुपये बढ़कर 30 करोड़ रुपये से ज्यादा हो चुके होंगे। ऐसे ही अगली पीढ़ी भी इस रकम का इस्तेमाल कर सकेगी।

### चक्रवृद्धि ब्याज का चलता है जादू

एसडब्ल्यूपी में चक्रवृद्धि ब्याज का जादू चलता है। जानकार कहते हैं कि म्यूचुअल फंड में लॉन्ग टर्म निवेश करने पर ज्यादा फायदा मिलने की उम्मीद होती है। ऐसे में कुल रकम मूल रकम से कहीं ज्यादा हो जाती है। ऊपर के उदाहरणों में हमने बताया है कि किस प्रकार एक करोड़ रुपये की रकम 30 करोड़ रुपये हो गई, वह भी तब जब उसमें से हर महीने कभी 50 हजार तो कभी एक लाख रुपये निकलते रहे। म्यूचुअल फंड में निवेश करने से पहले किसी जानकार की सलाह जरूर लें।

# वॉरेन बफे की ये 5 बातें बच्चों को जरूर सिखाएं, पैसों की कभी नहीं होगी तंगी

**बच्चों को कारोबार शुरू करने में भी मिलेगी मदद, वित्तीय शिक्षा जल्दी शुरू करने के फायदों पर बफे का जोर**

**छोटी बचत से बढ़ती संपत्ति और स्मार्ट खर्च की आदतें विकसित करें**

जानकारी | बिजनेस डेस्क

*"यह शो 26 एपिसोड तक चला। इसमें कुछ बच्चों की कहानी दिखाई गई जो पैसे के मामलों में बफे से सलाह लेते थे। साल 2013 में उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा था कि बच्चों को पैसों के बारे में समझाना कभी भी जल्दी नहीं होता। चाहे वो नए खिलौने की कीमत समझना हो या पैसे बचाने का महत्व। यहां 5 ऐसी बातें दी गई हैं जिन्हें बफे ने अपने बच्चों को सिखाया था। आप भी अपने बच्चों को ये बातें सिखा सकते हैं।*

वॉरेन बफे दुनिया के अमीर लोगों में शुमार हैं। उन्होंने धैर्य, स्मार्ट निवेश और आर्थिक अनुशासन के सिद्धांतों पर अपना भाग्य बनाया है। बफे सिर्फ अपने बिजनेस में ही कामयाब नहीं हैं, बल्कि बच्चों को पैसे के बारे में महत्वपूर्ण सबक सिखाने को भी प्राथमिकता देते हैं। साल 2011 में बफे ने सीक्रेट मिलिनेयर्स क्लब नामक एक एनिमेटेड सीरीज बनाने में मदद की। इसका उद्देश्य बच्चों को व्यवसाय, निवेश और वित्तीय साक्षरता की मूल बातें सिखाना था। यह शो 26 एपिसोड तक चला। इसमें कुछ बच्चों की कहानी दिखाई गई जो पैसे के मामलों में बफे से सलाह लेते थे। साल 2013 में उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा था कि बच्चों को पैसों के बारे में समझाना कभी भी जल्दी नहीं होता। चाहे वो नए खिलौने की कीमत समझना हो या पैसे बचाने का महत्व। यहां 5 ऐसी बातें दी गई हैं जिन्हें बफे ने अपने बच्चों को सिखाया था। आप भी अपने बच्चों को ये बातें सिखा सकते हैं।

### जल्दी शुरुआत करें

बफे हमेशा कम उम्र से ही वित्तीय शिक्षा के महत्व पर जोर देते रहे हैं। साल 2013 में एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था, 'कभी-कभी माता-पिता अपने बच्चों के किशोरावस्था में पहुंचने पर ही पैसे का सही इस्तेमाल करने के बारे में बात करना शुरू करते हैं। जबकि वे प्री-स्कूल से ही शुरू कर सकते हैं।' कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी की एक स्टडी के मुताबिक बच्चे 7 साल की उम्र से ही पैसे से जुड़ी आदतें विकसित करने लगते हैं। कम उम्र में ही बच्चों को बचत, खर्च और कमाई जैसी बुनियादी बातें बताकर पैरेंट्स उन्हें दीर्घकालिक वित्तीय सफलता के लिए तैयार कर सकते हैं।

### छोटी-छोटी बचत का भी महत्व

बफे सिखाते हैं कि ब्याज की शक्ति के कारण समय के साथ छोटी-छोटी बचत भी बढ़ सकती है। सीक्रेट मिलिनेयर्स क्लब में बफे ने कहा है कि नियमित रूप से थोड़े से पैसे बचाने से भी फायदा होता है। इस सबक को सिखाने का एक व्यावहारिक तरीका बच्चों को उनका अपना गुल्लक या बैंक अकाउंट देना है। पैरेंट्स ऐसे ऐप्स भी इस्तेमाल कर सकते हैं जिनसे बच्चे अपनी बचत पर नजर रख सकें और जमा राशि पर ब्याज भी कमा सकें।

### स्मार्ट खर्च करने की आदत डालें

बच्चों को सबसे पहले यह सीखना चाहिए कि जरूरतों और चाहतों में अंतर कैसे करें। बफे एक आसान तरीका बताते हैं कि अपने बच्चों से उन चीजों की सूची बनाने को कहें जो वे खरीदना चाहते हैं। फिर, हर चीज को एक साथ देखें और तय करें कि यह जरूरी है या फिजूलखर्ची। यह आदत जल्दी डालने से माता-पिता अपने बच्चों को बड़े होने पर बेहतर खर्च करने की आदतें विकसित करने में मदद कर सकते हैं।

### स्किल निखारकर संपत्ति बढ़ाएं

बफे खुद जीवन भर सीखते रहे। वह अक्सर सेल्फ स्टडी के महत्व पर जोर देते हैं। सीक्रेट मिलिनेयर्स क्लब के एक एपिसोड में उन्होंने कहा है कि सबसे अच्छा निवेश जो आप कर सकते हैं वह खुद में है। जितना अधिक आप सीखेंगे, उतना ही अधिक आप कमाएंगे। बफेट खुद रोजाना कई अखबार पढ़ते हैं और बच्चों को ज्ञान के प्रति जुनून विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। निरंतर सीखना लॉन्ग टर्म के लिए वित्तीय सफलता की कुंजी है। बफे ने सिर्फ छह साल की उम्र में च्यूइंग गम और कोक की बोतलें बेचकर पैसा कमाना शुरू कर दिया था। बच्चों को अपने खुद के बिजनेस आइडिया तलाशने के लिए प्रोत्साहित करें। फिर चाहे वह नींबू पानी का स्टॉल हो या ऑनलाइन स्टोर। इससे बच्चों को वित्तीय सिद्धांतों को जल्दी समझने में मदद मिलती है। पैरेंट्स मार्गदर्शन और यहां तक कि छोटा बिजनेस शुरू करने में मदद करने के लिए शुरुआती पैसा देकर बच्चों को प्रोत्साहित कर सकते हैं।

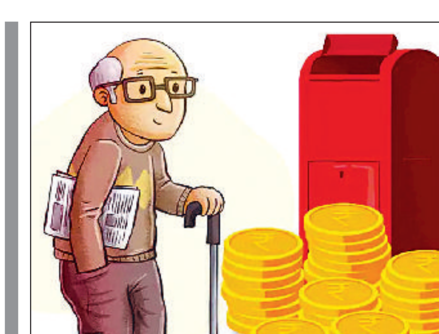

## सीनियर सिटीजन्स सेविंग्स स्कीम में टैक्स छूट और बेहतर रिटर्न

बिजनेस डेस्क

वित्त वर्ष 2024-25 का आखिरी महीना यानी मार्च शुरू हो चुका है। इस महीने आपको कई जरूरी काम निपटाने हैं। इन्हीं कामों में से एक है वित्त वर्ष 2024-27 के लिए टैक्स सेविंग इन्वेस्टमेंट। ये इन्वेस्टमेंट आपको 31 मार्च 2024 तक करना है। अगर आप सीनियर सिटिजन हैं और सेफ इन्वेस्टमेंट के साथ टैक्स भी बचाना चाहते हैं तो पोस्ट ऑफिस सीनियर सिटिजंस सेविंग्स स्कीम अकाउंट (एससीएसएस) में पैसा लगा सकते हैं। इस स्कीम में अभी 8.20% सालाना ब्याज दिया जा रहा है। इस योजना में निवेश कर आप टैक्स भी बचा सकते हैं और अच्छा रिटर्न भी प्राप्त कर सकते हैं। इसलिए इसमें निवेश करना आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

### अधिकतम 30 लाख रुपये कर सकते हैं निवेश

पोस्ट ऑफिस सीनियर सिटिजंस सेविंग्स स्कीम के तहत सिर्फ 1000 रुपये में अकाउंट खोला जा सकता है। इस स्कीम में ज्यादा से ज्यादा 30 लाख रुपये तक निवेश कर सकते हैं। इस स्कीम पर 8.2% सालाना ब्याज मिल रहा है। वहीं देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई 5 साल की फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) पर सीनियर सिटिजंस को 6.50% ब्याज दे रहा है। यानी इस स्कीम में एफडी से ज्यादा ब्याज दिया जा रहा है।

### 5 साल का मैच्योरिटी पीरियड

इस स्कीम का मैच्योरिटी पीरियड 5 साल का रहता है। यानी इस स्कीम में आपको 5 साल के लिए निवेश करना होता। हालांकि आप 5 साल से पहले भी अकाउंट बंद कर सकते हैं, लेकिन ऐसा करने पर आपको पेनल्टी देनी होती है।

### इनकम टैक्स छूट का मिलता है लाभ

इस योजना में निवेश करने पर इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80C के तहत आप अपनी कुल आय से 1.5 लाख रुपये की कटौती का दावा कर सकते हैं। आसान भाषा में इसे ऐसे समझें, आप सेक्शन 80C के माध्यम से अपनी कुल कर योग्य आय से 1.5 लाख तक कम कर सकते हैं।

### तिमाही आधार पर मिलता है ब्याज

इस योजना के तहत ब्याज तिमाही आधार पर मिलता है और अप्रैल, जुलाई, अक्टूबर व जनवरी के पहले वर्किंग डे को क्रेडिट कर दिया जाता है। सीनियर सिटीजन्स सेविंग्स स्कीम अकाउंट किसी भी पोस्ट ऑफिस में खुलवा सकते हैं। 60 साल या उससे अधिक उम्र के बाद अकाउंट पोस्ट ऑफिस जाकर खुलवाया जा सकता है। हालांकि वीआरएस लेने वाला व्यक्ति जो 55 वर्ष से अधिक लेकिन 60 वर्ष से कम है वो भी इस अकाउंट को खोल सकता है। इसके अलावा डिफेंस (रक्षा विभाग) से रिटायर्ड हुए हो वो 50 साल से अधिक और 60 वर्ष से कम उम्र के लोग भी इस योजना में निवेश कर सकते हैं। हालांकि इस स्थिति में रिटायर होने के 1 महीने के भीतर निवेश करना होता है।

### कितना फायदा होगा

अगर आप इस योजना में 1 लाख रुपये निवेश करते हैं तो 5 साल बाद आपको कुल 1 लाख 50 हजार रुपए मिलेंगे। वहीं 2 लाख रुपये का निवेश करने पर 3 लाख रुपये मिलेंगे।

# फरवरी में घटे म्यूचुअल फंड में निवेश, जनवरी के मुकाबले 2% की गिरावट

काम की बात | बिजनेस डेस्क

- म्यूचुअल फंड एसआईपी में पैसा लगाने वालों की संख्या घटी, फरवरी में एसआईपी में 25,999 करोड़ रुपये आए
- यह पिछले तीन महीनों में सबसे कम

शेयर बाजार में पिछले कुछ महीनों से लगातार गिरावट ही गिरावट का दौर जारी है। इससे सभी निवेश माइनस में हैं। इससे सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान या एसआईपी के जरिए निवेश करने वालों की संख्या में भी कमी हुई है। जी हां, बीते फरवरी महीने में एसआईपी के जरिए निवेश थोड़ा कम हुआ है। इस साल जनवरी में जहां एसआईपी के जरिए 26,400 करोड़ रुपये का निवेश आया था, वहीं फरवरी में यह घटकर 25,999 करोड़ रुपये रह गया। यह तीन महीने का सबसे कम है। दिसंबर में भी इस तरीके से 26,459 करोड़ रुपये का निवेश आया था। यह जानकारी एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया या एम्फी के आंकड़ों से मिली है।

## एम्फी के आंकड़ों में हुआ खुलासा, कम दिलचस्पी दिखा रहे निवेशक

### म्यूचुअल फंड के कितने फोलियो

फरवरी 2025 तक म्यूचुअल फंड के कुल फोलियो या खाते 23,22,80,804 हो गए हैं। रिटेल म्यूचुअल फंड खातों (इक्विटी + हाइब्रिड + सॉल्यूशन-ओरिएंटेड स्कीम्स) की संख्या फरवरी में बढ़कर 18,42,02,267 हो गई, जो जनवरी में 18,22,23,078 थी। रिटेल एयूएम (इक्विटी + हाइब्रिड + सॉल्यूशन-ओरिएंटेड स्कीम्स) फरवरी में घटकर 36,44,112 करोड़ रुपये रह गया, जबकि जनवरी में यह 38,77,595 करोड़ रुपये था। मतलब बाजार में उतार-चढ़ाव का असर दिखा है।

### फरवरी में भी बढ़े सिप अकाउंट

फरवरी 2025 में 44,56,425 नए एसआईपी रजिस्टर हुए। इस महीने एसआईपी का कुल एयूएम 12,37,783.57 करोड़ रुपये रहा। इसमें 8.26 करोड़ एसआईपी खाते नियमित रूप से योगदान दे रहे थे। फरवरी 2025 में 29 नई स्कीम्स लॉन्च हुईं, जिनसे कुल मिलाकर 4,029 करोड़ रुपये जुटाए गए। ये स्कीम्स अलग-अलग कैटेगरी की थीं।

### म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में मजबूती

एम्फी के चीफ एक्जीक्यूटिव वेंकट चलसानी ने बताया, भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री लगातार मजबूती दिखा रही है। सभी कैटेगरी में निवेशक लगातार पैसा लगा रहे हैं। उनका कहना है ₹बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद, निवेशकों का भरोसा बना हुआ है। 40,063 करोड़ रुपये का नेट इनफ्लो इस बात का सबूत है कि निवेशक लंबी अवधि के लिए निवेश करने में यकीन रखते हैं।

### फरवरी में एयूएम में क्यों हुई गिरावट

उन्होंने बताया कि जनवरी से फरवरी में एयूएम में गिरावट की मुख्य वजह इक्विटी फंड में मार्केट का उतार-चढ़ाव है। लेकिन एसआईपी में निवेश लगातार आ रहा है, जिससे पता चलता है कि लोग अब भी नियमित निवेश को तरजीह दे रहे हैं। चलसानी ने निवेशकों को शिक्षित करने और जागरूकता फैलाने के लिए एम्फी की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने हर तरह के बाजार में वित्तीय अनुशासन के महत्व पर जोर दिया।

### नेट इनफ्लो में गिरावट

फरवरी महीने के दौरान म्यूचुअल फंड में कुल नेट इनफ्लो 79% गिर गया। इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश 26% घटकर 29,303 करोड़ रुपये रह गया, जबकि जनवरी में यह 39,687 करोड़ रुपये था। डेट म्यूचुअल फंड में फरवरी में 6,525 करोड़ रुपये का आउटफ्लो हुआ, जबकि जनवरी में 1.28 लाख करोड़ रुपये का इनफ्लो हुआ था।

### क्या है म्यूचुअल फंड

म्यूचुअल फंड की परिभाषा एक ऐसा निवेश है जो आपके पैसे को कई अन्य लोगों के पैसे के साथ जोड़ता है जो समान निवेश लक्ष्य साझा करते हैं। पेशेवर मनी मैनेजर्स पैसे के पूल का उपयोग सिक्योरिटीज खरीदने के लिए करते हैं जो म्यूचुअल फंड के निर्दिष्ट उद्देश्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकते हैं। म्यूचुअल फंड एक उपयुक्त रिटायरमेंट निवेश हो सकता है क्योंकि वे पेशेवर प्रबंधन और विविधीकरण प्रदान करते हैं। वे एफडीआईसी बीमाकृत नहीं हैं और उनमें निवेश जोखिम शामिल हैं, जिसमें मूलधन की संभावित हानि और मूल्य में उतार-चढ़ाव शामिल है।

### म्यूचुअल फंड के प्रकार

**इक्विटी (स्टॉक) फंड :** ये वे फंड हैं जो सार्वजनिक रूप से कारोबार करने वाली कंपनियों के कॉर्पोरेट स्टॉक में निवेश किए जाते हैं। इन फंडों को कंपनी के आकार, उद्योग या क्षेत्र के प्रकार या संभावित विकास और मूल्य सहित विभिन्न घटकों के आधार पर वर्गीकृत किया जा सकता है।

**बॉन्ड फंड :** ये ऋण साधनों से बने होते हैं जिन्हें सरकार या निगम निवेशकों को पूंजी जुटाने के लिए जारी करते हैं। वे अक्सर स्टॉक फंड की तुलना में कम जोखिम उठाते हैं। हालांकि, उनमें वृद्धि की संभावना कम हो सकती है।

**मनी मार्केट फंड :** इस प्रकार के म्यूचुअल फंड सरकार या निगमों जैसी संस्थाओं से नकदी या नकदी-समतुल्य अल्पकालिक ऋण में निवेश करते हैं। मनी मार्केट फंड को आम तौर पर कम जोखिम वाला निवेश माना जाता है।

**हाइब्रिड फंड :** हाइब्रिड फंड में कम से कम दो या उससे ज़्यादा एसेट क्लास शामिल होते हैं - आम तौर पर स्टॉक और बॉन्ड का मिश्रण। हाइब्रिड फंड के सबसे लोकप्रिय रूपों में से एक को बैलेंस्ड फंड कहा जाता है, जो एक प्रकार का पोर्टफोलियो है जो 60% स्टॉक में और 40% बॉन्ड में निवेश करता है।

## खबर संक्षेप

### पेरा खिलाड़ियों को मिलेगी निःशुल्क ट्रेनिंग

**रतिया।** फतेहाबाद रोड पर बड़ी नहर के पास स्थित किंग्स ताइक्वांडो अकैडमी में पैरा खिलाडियों के लिए निःशुल्क ताइक्वांडो ट्रेनिंग की शुरुआत की गई है। इस बारे जानकारी देते हुए अकादमी के डायरेक्टर व इंटरनेशनल रेफरी, कोच राजपाल पन्नू ने बताया कि ताइक्वांडो ओलंपिक खेलों व एशियाई गेम में एक प्रमुख खेल है। पैरा खिलाडिय़ों के वर्ग में पैरालंपिक गेम्स, एशियाई पैरालंपिक गेम्स, वल्ड चैंपियनशिप व एशियन चैंपियनशिप प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं।

### विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाया

**रतिया।** तिरूपति शिक्षण संस्थान में विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा सामूहिक चर्चा करते हुए आपसी वार्तालाप की गई और इस वार्तालाप के माध्यम से एक उपभोक्ता के क्या-क्या अधिकार होते हैं, इसके बारे में सभी विद्यार्थियों को जागरूक किया गया। इस सामूहिक वार्तालाप का आयोजन कॉलेज की सांस्कृतिक कमेटी के अंतर्गत करवाया गया। इस सामूहिक वार्तालाप की उद्घोषणा सांस्कृतिक कमेटी के अध्यक्ष सतनाम दास द्वारा की गई और विद्यार्थियों को भारतीय उपभोक्ता हैल्पलाईन पर अपनी शिकायत ऑनलाईन दर्ज करवाने की प्रक्रिया से भी अवगत करवाया।

### दिग्विजय चौटाला ने फैसले का किया सम्मान

**सिरसा।** पूर्व उपप्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल की प्रतिमा पर गांव धनाना में असामाजिक तत्वों द्वारा ऊपर चढक़र वीडियो बनाकर अनादर करने के मामले में जहां पूरे हरियाणा में लोगों में गुस्सा है। इसी कड़ी में सिरसा पुलिस अधीक्षक को जननायक जनता पार्टी के प्रधान महासचिव दिग्विजय सिंह चौटाला ने लिखित में आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के लिए शिकायत दर्ज कराई गई थी। आज आरोपियों को गांव धनाना में हुई सर्वजातिय महापंचायत में मांगी मांगने पर जाटू खाप 84 द्वारा आरोपियों से माफी मंगवाई गई। वहीं जाटू खाप 84 के फैसले पर फुल चढ़ाते हुए जननायक जनता पार्टी के प्रधान महासचिव दिग्विजय सिंह चौटाला ने शिकायत वापिस ले ली।

### दस गोशालाओं को भेंट किए 2-2 लाख के चैक

**सिरसा।** जयदेव-सहदेव जैन चैरिबेटल ट्रस्ट लगातार समाजसेवा के कारवां को आगे बढ़ा रहा है। ललित जैन ने बताया कि ट्रस्ट की ओर से 10 गौशालाओं को 2-2 लाख रुपए के चैक वितरित किए गए, जिनमें श्री राधा कृष्ण गौशाला कुत्ताबढ़, श्री सनातन धर्म कृष्ण गौशाला भरोखां, श्री कृष्ण गोपाल गौशाला बिजूंवाली, श्री कृष्ण गौशाला पन्नीवाला मोटा, श्री कृष्ण गौशाला समिति खेरा खुर्द, माता सुरजीत कौर गौशाला सुखचेन, श्री श्याम गौसेवा सदन गुसाईखेड़ा, श्री कृष्ण परनामी गौशाला एवं नंदीशाला सेवा समिति बालासर, श्री कृष्ण परनामी गौशाला नहराणा, श्री कृष्ण आदर्श गौशाला बचेर, श्री राधा कृष्ण गौशाला समिति बणी शामिल हैं।

# श्री कृष्ण गोशाला में 18वें वार्षिक महोत्सव पर श्री धेनुमानस हरि कथा का आगाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

श्री कृष्ण गौशाला, बड़ोपल में शनिवार से 18वें वार्षिक महोत्सव एवं श्री धेनुमानस हरि कथा का शुभारंभ हुआ। इस पावन आयोजन के कथा वाचक गौ ऋषि स्वामी श्री राजेन्द्रानंद जी महाराज (हरिद्वार) हैं, जिनके दिव्य प्रवचनों का श्रीहरि टीवी पर सीधा प्रसारण किया जा रहा है, जिससे दूर-दराज के श्रद्धालु भी इस आध्यात्मिक रसधारा से जुड़ सकें।

**पहले दिन की भागवत कथा का सार:** कथा के प्रथम दिवस पर सृष्टि की उत्पत्ति, भगवान विष्णु के अवतारों एवं धर्म की स्थापना में गौ माता की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। स्वामी जी ने बताया कि कैसे राजा दिलीप, नंद बाबा एवं राजा जनक जैसे महापुरुषों ने गौ सेवा को अपने जीवन का मुख्य उद्देश्य बनाया।

### गो कथा का महत्व

कथा के प्रथम दिवस का शुभारंभ गौ पूजन, वेद मंत्रों के उच्चारण एवं हवन से हुआ। स्वामी राजेन्द्रानंद जी महाराज ने अपने प्रवचन में बताया कि गौ माता केवल एक पशु नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति की आत्मा हैं। भगवान श्रीकृष्ण ने स्वयं गोकुल में गौ सेवा की, जिससे हमें यह संदेश मिलता है कि गौ रक्षा ही धर्म रक्षा है। स्वामी जी ने बताया कि शास्त्रों के अनुसार, गौ सेवा करने से समस्त देवताओं की कृपा प्राप्त होती है और यह मोक्ष प्राप्ति का सरल मार्ग है। उन्होंने राजा पृथु के प्रसंग का वर्णन किया, जिन्होंने गौ माता को सम्पूर्ण विश्व के पालन का आधार बताया था। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में गौ रक्षा और गौ सेवा केवल धार्मिक कार्य नहीं, बल्कि पर्यावरण संतुलन, जैविक खेती और स्वस्थ समाज की नींव भी है।

**फतेहाबाद।** प्रवचन करते हुए ्वामी श्री राजेन्द्रानंद जी महाराज तथा कथा में उपस्थित गौशाला सदस्य एवं ग्रामवासी, बड़ोपल।

### कथा का आयोजन और प्रसारण

कथा 21 मार्च तक प्रतिदिन दोपहर 12:15 बजे से 3:15 बजे तक होगी और 21 मार्च को पूर्णाहुति एवं चरणामृत वितरण के साथ संपन्न होगी।श्रीहरि टीवी पर इस कथा का सीधा प्रसारण किया जा रहा है, जिससे संपूर्ण भारत एवं विदेशों में बसे श्रद्धालु भी इस दिव्य ज्ञान गंगा का लाभ उठा सकते हैं। गौशाला कमेटी एवं ग्रामवासियों ने समस्त श्रद्धालुओं से इस पावन कथा में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने एवं गौ सेवा का संकल्प लेने का आग्रह किया है।

## पेयजल पर हरा चारा व सब्जी लगाने वालों के खिलाफ होगी कार्रवाई

# नहरबंदी में पेयजल संकट रोकने के लिए विभाग सतर्क, अवैध कनेक्शनों को काटा

- लोगों से पानी का दुरुपयोग न करने की अपील की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद/रतिया।

25 दिन की लंबी नहरबंदी के कारण जिलावासियों को पेयजल संकट से न जूझना पड़े, इसको लेकर जनस्वास्थ्य विभाग ने कमर कस ली है। विभाग द्वारा जहां लोगों से पानी का दुरूपयोग न करने की अपील की जा रही है वहीं अवैध पेयजल कनैक्शनों को काटने को लेकर भी विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में आज विभाग द्वारा गांव अहरवां में डोर टू डोर पेयजल कनैक्शनों की जांच की गई और ऐसे 6 कनेक्शन काटे गए हैं, जिन्होंने पीने के पानी पर हरा चारा व सब्जी लगा रखी थी। बता दें कि सिंचाई विभाग ने भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड द्वारा वार्षिक मेंटेनेंस का कार्य करने के चलते 25 मार्च से 20 अप्रैल तक नहरबंदी रखने का फैसला लिया है। फतेहाबाद के अलावा सिरसा जिले में भी फतेहाबाद ब्रांच नहर से ही पेयजल की सप्लाई होती है।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग फतेहाबाद के जिला सलाहाकार शर्मा चंद लाली ने बताया कि जल संरक्षण अभियान के दौरान जिले के सभी शहरों में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा टीम लगाकर घर घर सर्वे करवाया जा रहा है। इस दौरान जिसने भी पीने के पानी पर सर्विस स्टेशन, हरा चारा व सब्जी लगा रखी है उनके कनेक्शन तुंरत प्रभाव से काटे जा रहे हैं। इसके साथ विभाग उनकी सूची भी तैयार कर रहा है जिनके बिल बकाया है। उनको भी नोटिस दिया जाएगा यदि फिर भी बिल का भुगतान नहीं करते हैं तो उनके भी कनेक्शन काटे जाएंगे। उन्होंने कहा कि हर घर को पीने का पानी मिल सके इसमें सभी जिला वासी विभाग का सहयोग करे। शर्मा चंद लाली ने बताया कि जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ने ग्राम पंचायत अहरवां में ऐसे 6 कनेक्शन काटे गए हैं, जिन्होंने पीने के पानी पर हरा चारा व सब्जी लगा रखी थी। यह अभियान जिले के सभी शहरों व सभी ग्राम पंचायतों में ग्राम पंचायतों में चलाया जाएगा ताकि सभी को स्वच्छ जल मुहैया करवाया जा सके। उन्होंने बताया कि पीने के पानी से संबंधित जो भी समस्याएं हैं उन सभी समस्याओं को चिह्नित करके तुरंत प्रभाव से ठीक किया जाएगा। ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में किसी भी घर को पीने के पानी की कोई दिक्कत न आए।

**फतेहाबाद।** गांव अहरवां में पेयजल कनैक्शन काटते विभाग के कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

### घरों को चिन्हित कर की जाएगी कार्रवाई

कनिष्ठ अभियंता दुर्गेश कुमार ने बताया की ग्रामीण क्षेत्र में कुछ घरों ने पीने के पानी पर हरा चारा सब्जी, सर्विस स्टेशन लगा रखे है जिस कारण गांव के कुछ घरों में पीने का पानी नही पहुंच रहा है। पूरे जिले में ऐसे सभी घरों को चिन्हित करके विभाग की तरफ़ से उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएंगी। जिले के पीने के पानी के सभी घरों का सर्वे भी किया जाएगा। इसके लिए सभी उपभोक्ताओं से भी अपील है कि इस संबंध में विभाग की मदद करें ताकि जल्दी फतेहाबाद जिले के सभी घरों मे पीने का पानी उपलव्ध हो सके। इसके साथ साथ विभाग के कर्मचारी घर घर जाकर उन घरों को भी चिह्नित करेंगे जिन घरों में पीने के पानी के नलों पर बंद करने वाली टेप नहीं लगी हुई, ताकि उन सभी घरों में टेप लगवाई जा सके और जिन घरों में पीने का पानी नहीं पहुंचता उन घरों में पीने का पानी पहुंच सके। गांव में जितनी भी लीकेज है उनको भी इस अभियान के दौरान चिह्नित करके ठीक करवाया जायेगा। इस मौके पर बलविंदर सिंह, मरियम रानी, सतपाल सिंह आदि को भी नोटिस जारी किए।

# ट्यूबवेल की केबल चोरी के तीन आरोपी काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

डिंग थाना पुलिस ने खेतों से टयूबवेल की केबल तार चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले तीन आरोपियों को काबू कर लिया है। डिंग थाना प्रभारी भीम सिंह ने बताया कि पकड़े गए तीनों आरोपियों की पहचान दर्शन सिंह पुत्र शकरू राम निवासी सिकंदरपुर, प्रीतम सिंह पुत्र गुरदयाल सिंह व सुखदेव सिंह उर्फ सेठी पुत्र सतपाल सिंह निवासी थेहड़ी बाबा सावन सिंह जिला सिरसा के रुप में हुई है। उन्होंने बताया कि अजयपाल पुत्र हरपास सिंह निवासी थेहड़ी बाबा सावन सिंह ने पुलिस की दी शिकायत में बताया कि बीती 9 मार्च 2025 की रात को कोई अज्ञात युवक खेत से टयूबवेल की केबल तार चोरी का करके ले गया है। शिकायत के आधार पर डिंग थाना में टयूबवेल की केबल तार चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरु की गई थी। जांच के दौरान डिंग थाना की एक पुलिस टीम ने महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गांव सिकंदरपुर व थेहड़ी बाबा सावन सिंह क्षेत्र से काबू कर लिया। गिरफ्तार किए गए युवक नशा करने के आदी है तथा नशे की पूर्ति के लिए चोरी की वारदातों को अंजाम दिया था। उन्होंने बताया कि आरोपियों से पूछताछ करने पर एक अन्य आरोपी की भी पहचान हुई है ।

- सुचना के आधार पर पुलिस की कार्रवाई

# राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने नागरिकों की समस्याओं को सुना

- संबंधित अधिकारियों को समाधान के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने शनिवार को अपने फार्म हाउस पर नागरिकों की समस्याओं को सुना और उनके त्वरित समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार जनकल्याण के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है और प्रत्येक नागरिक की समस्या का समाधान करना उनकी प्राथमिकता है। सांसद सुभाष बराला ने कहा कि भाजपा सरकार बिना किसी भेदभाव के हर नागरिक के हित में कार्य कर रही है। उन्होंने उपस्थित नागरिकों को आश्वस्त किया कि उनकी सभी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।इस दौरान क्षेत्र के विभिन्न गांवों और शहर से आए नागरिकों ने अपनी समस्याओं को सांसद के समक्ष रखा, जिनमें बिजली, पानी, सडक़, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, रोजगार और सामाजिक कल्याण से संबंधित मुद्दे प्रमुख रूप से शामिल थे। सांसद सुभाष बराला ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुना और तत्काल प्रभाव से संबंधित विभागों के अधिकारियों से संपर्क कर समाधान की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए।

**फतेहाबाद।** लोगों की शिकायतें सुनते सांसद सुभाष बराला।

### जनता की सेवा मेरा कर्तव्य : सांसद सुभाष

सांसद सुभाष बराला ने कहा कि जनता की सेवा ही मेरा कर्तव्य है। उनकी समस्याओं का समाधान कराना और उन्हें सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ दिलाना मेरी प्राथमिकता है। उन्होंने उपस्थित नागरिकों को आश्वासन दिया कि उनके मुद्दों का जल्द से जल्द समाधान किया जाएगा और वे जनता के साथ हर समय खड़े रहेंगे। उन्होंने कहा कि जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में किए जा रहे विकास कार्यों पर विश्वास रखती है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता नागरिकों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना, युवाओं को रोजगार के अवसर देना, किसानों की समस्याओं का समाधान करना और प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना है। इस अवसर पर पार्टी के कई वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

# ऑल इंडिया अरोड़ा खत्री पंजाबी कम्युनिटी की बैठक, समाजहित के कार्यों को लेकर हुई चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

ऑल इंडिया अरोड़ा खत्री पंजाबी कम्युनिटी द्वारा फतेहाबाद अनाज मंडी स्थित राष्ट्रीय अध्यक्ष साहिब दयाल वधवा के कार्यालय में बैठक और होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान ऑल इंडिया अरोड़ा खत्री पंजाबी कम्युनिटी के अनेक पदाधिकारी और सदस्यों ने भाग लिया। इस दौरान हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश चुघ विशेष तौर पर मौजूद रहे। कम्युनिटी के हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश चुघ का जन्मदिन मना करके उनका फूल मालाओं से स्वागत किया गया इस दौरान ऑल इंडिया अरोड़ा खत्री पंजाबी कम्युनिटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष साहिब दयाल वधवा द्वारा कम्युनिटी द्वारा किए जा रहे समाज हित के कार्यों की समीक्षा की गई। विनोद अरोड़ा ने बताया कि समाज के सर्वांगीण विकास के लिए शीघ्र ही निःशुल्क चिकित्सा शिविर, रक्तदान शिविर एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण के कार्य किए जाएंगे।

**फतेहाबाद।** ऑल इंडिया अरोड़ा खत्री पंजाबी कम्युनिटी की बैठक में भाग लेते पदाधिकारी।

### मुफ्त चिकित्सा शिविर लगाया जाएगा

डॉ. आशीष वधवा व डॉ. सुनीता वधवा ने बताया कि शीघ्र ही ऑल इंडिया अरोड़ा खत्री पंजाबी कम्युनिटी के तत्वाधान में निःशुल्क डेंटल चिकित्सा शिविर आयोजित करके लोगों को सेवाएं प्रदान की जाएंगी। हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश चुघ ने सदस्यों से आह्वान किया कि गरीब की बेटी में निःशुल्क कन्यादान, बीमार लाचार को रक्तदान, बेघर को घर, कोर्ट कचहरी की बात हो तो निःशुल्क सेवाएं प्रदान की जाएं।

**रतिया।** बैठक में भाग लेते जम्हुरी किसान सभा के सदस्य।

## जम्हुरी किसान सभा की बैठक, रमेश रत्ताखेड़ा प्रधान व गुरप्रीत जेई सचिव चुने गये

**रतिया।** जम्हुरी किसान सभा रतिया तहसील की पहली डेलीगेट कॉन्फ्रेंस किसान रेस्ट हाउस में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता गुरप्रीत सिंह जेई ने की तथा संचालन रमेश रताखेड़ा ने किया। कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन सभा के राज्य प्रवक्ता तेजिन्द्र सिंह रतिया ने किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार कार्पोरेट घरानों को बचाने के लिए किसानों मजदूरों को बर्बाद करने वाली नीतियां लागू कर रही है। जो काले कानून संयुक्त किसान मोर्चा ने मजबूत व लंबे संघर्ष के बाद रद्द करवाए गए थे, उनको दोबारा राज्य सरकारों को ड्राफ्ट के रास्ते लागू करवाने का मोदी सरकार दबाव डाल रही है। 20 मार्च कुरुक्षेत्र में मुख्यमंत्री के आवास का घेराव किया जा रहा है। इस प्रदर्शन में जिले से काफी संख्या में किसान शामिल होंगे। बैठक को देहाती मजदूर सभा हरियाणा के राज्य महासचिव राजेश चौबारा, जिला सचिव जसपाल खूण्डन, जम्हुरी किसान सभा के राज्य कन्वीनर आजाद सिंह मिरान ने भी संबोधित किया। अंत में 11सदस्ययी कमेटी चुनी गई, जिसमें रमेश रत्ताखेड़ा को प्रधान, गुरप्रीत सिंह जेई को सचिव, बलकार सिंह को उपप्रधान, संदीप सिंह को सहसचिव, डॉ. शेरा राम कोलगढ कोषाध्यक्ष निर्विरोध चुना गया। जगजीत सिंह ढिल्लों, कुलदीप रत्ताखेड़ा, देशा राम, हरदीप सिंह, सतनाम चंद बुर्जा को कमेटी सदस्य चुना गया।

# लाइफकेयर फाउंडेशन ने गुरुद्वारा विश्वकर्मा में 111वीं लैबोरेट्री का किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया।

लाईफकेयर फाऊंडेशन चैरिटेबल लैबोरेट्री की शुरुआत आज गुरुद्वारा विश्वाकर्मा रतिया में की गई। इस मौके संस्था के जरनल मैनेजर हरदीप सिंह मोहाली, नवदीप सिंह, क्षेत्रीय इंचार्ज नवदीप सिंह, डॉ जितेंद्रपाल सिंह बाठ एवं गुरुद्वारा प्रधान कश्मीर सिंह, त्रिलोचन सिंह आदि उपसथित रहे। लैबोरेट्री का शुभारंभ एचएसजीपीसी के मैंबर इकबाल सिंह खोखर द्वारा किया गया। फाउंडेशन के जरनल मैनेजर हरदीप सिंह ने बताया कि पंजाब, हरियाणा व हिमाचल में 110 के करीब लैब सेवाएं दे रही हैं। रतिया क्षेत्रवासियों के लिए खुशी की बात यह है कि ज्यादातर गरीब परिवारों के लिए फायदेमंद होगी। उन्होंने दावा किया कि बाजार से कम दामों पर लैब टैस्ट किए जाएंगे। एचएसजीपीसी के सदस्य इकबाल सिंह ने बताया कि वर्तमान समय में सेहत सेवाओं के लिए मेडिकल लंगर सेवाओं की जरूरत है और क्षेत्र के लिए बड़ी गर्व की बात कि इस संस्था ने यह लैब खोलकर लोगों के लिए कम दरों पर टेस्ट उपलब्ध करवाएगी। इस दौरान गुरुद्वारा कमेटी द्वारा लाईफकेयर फाऊंडेशन के सदस्यों व विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों का सिरोपा भेंटकर सम्मान किया। इस मौके पर जरनैल सिंह मलवाला, राजविंद्र सिंह चहल, अवतार सिंह, गुरमीत सिंह, सुरेश झांब, मेजर सिंह, एडवोकेट बलजीत सिंह, कुलदीप सिंह बराड़, कुलदीप सिंह धालीवाल, बलवीर सिंह, एडवोकेट अमृतपाल सिंह, हरदीप सिंह, टेक सिंह चहल, सुखचैन सिंह, मेजर सिंह, कौर सिंह, स्वर्ण सिंह, लखविंद्र सिंह सहित संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

**रतिया।** गुरुद्वारा साहिब में आयोजित शिविर में रक्त की जांच करते हुए विशेषज्ञ। फोटो : हरिभूमि

**रणनीति** 17 मार्च को सिंचाई विभाग में किया जाएगा प्रदर्शन

# हरियाणा किसान मंच के सदस्यों ने धरने को लेकर गांवों में किया जनसंपर्क

मई व जून के महीने मनरमा-कपास की बिजाई होती है इस समय पानी की अधिक जरूरत पड़ती है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

नहरी पानी की सप्लाई को सुचारू करवाने के लिए संघर्षरत हरियाणा किसान मंच द्वारा आगामी 17 मार्च को सिंचाई विभाग में किए जा रहे प्रदर्शन को लेकर गांव रघुआना, दौलतपुर खेड़ा, आनंदगढ़, रोहिड़ांवाली, ओढां, घुक्कांवाली, चकेरियां, लकड़ांवाली, देसु, शहीदां, फग्गू, रोहण, पक्का, कमाल, कुरंगावाली, सुखचैन, डोगरांवाली, खतरावां में किसानों से संपर्क साधकर इस कार्यक्रम में भाग लेने का आह्वान किया। मंच के प्रदेशाध्यक्ष बाबा गुरदीप सिंह झिड़ी नेकहा कि मई व जून के महीने में नरमा-कपास की बिजाई होती है और गर्मी का मौसम होने के कारण इस समय पानी की अधिक जरूरत पड़ती है। उन्होंने कहा कि इससे पूर्व दो सप्ताह की ही नहर की बंदी होती थी, लेकिन विभाग द्वारा अब दो सप्ताह की बजाय लंबे समय की बंदी कर किसानों के साथ अन्याय किया जा रहा है, जिसे किसी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। झिड़ी ने कहा कि एक तरफ तो सरकार किसान हितैषी होने का राग अलापती है, लेकिन दूसरी ओर किसानों के हिस्से का पानी न देकर उनके अरमानों पर पानी फेरने का काम कर रही है।

उन्होंने जिले के किसानों की आह्वान किया कि किसानों के हक की इस लड़ाई में वे बढ़ चढक़र भाग लें। इस मौके पर सिकंदर सिंह, बलकरण सिंह भंगू, गुरतेज सिंह भंगू, गुरजंट सिंह भंगू, राजा सिंह भींवा, सुखदीप भीवां, मग्घर सिंह कुरंगावाली, जतिंद्र प्रधान, बिंदर सिंह कुरंगावाली, अमरीक पंजमाला, सतनाम सिंह पंजमाला मौजूद थे।

**सिरसा।** धरने को लेकर गांवों में जनसंपर्क करते किसान नेता। फोटो : हरिभूमि

## खबर संक्षेप

### दुकानदार से दुर्व्यवहार के आरोप में केस

**फतेहाबाद।** शहर के एक दुकानदार ने जब अपने काम के पैसे मांगे तो इससे गुस्साएं डॉक्टर ने दुकानदार को जमकर गालियां निकाली और उसे धमकाया। इस मामले में पीड़ित दुकानदार द्वारा अब पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। इस मामले में शहर फतेहाबाद पुलिस ने शनिवार को पीड़ित सुमित कुमार की शिकायत पर आरोपी डॉ. सौरभ मिढ़ा निवासी हुडा सैक्टर 3 फतेहाबाद के खिलाफ केस दर्ज किया है।

### टैंट की दुकान से हजारों रुपये का सामान चोरी

**सिरसा।** रानियां के वार्ड नंबर 6 निवासी व्यक्ति की सोसायटी के निकट स्थित टैंट की दुकान से चोर हजारों रुपए का सामान चोरी कर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में दुकान मालिक कपिल मेहता ने बताया कि उसकी सोसायटी अड्डा रानियां के पास मेहता टैंट हाऊस के नाम से दुकान है। उसने बताया कि बीती 11 मार्च की शाम को वह दुकान मंगल कर घर आ गया था।

### जिले में दो स्थानों से मोटरसाकिल चोरी

**सिरसा।** जिला में अलग-अलग स्थानों से चोर दो मोटरसाइकिल चोरी कर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में पहले मामले में रोड़ी निवासी अमनदीप कुमार ने बताया कि बीती 4 मार्च की दोपहर को वह गांव रोड़ी में स्थित सिद्ध बाबा गौसपुरी धाम पर मेले में गया था। कुछ देर बाद आया तो बाइक गायब मिली। दूसरे मामले में गांव मौजदीन निवासी मोहित कुमार की बाइक चोरी हो गई।

### हुड़दंगबाजी करने पर 3 युवकों पर केस दर्ज

**सिरसा।** शहर में होली के दिन ऑटो मार्केट क्षेत्र में बीच सडक़ पर हुड़दंगबाजी करनी तीन युवकों को महंगी पड़ गई। शहर थाना पुलिस ने तीनों युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। इन तीनों ने अपना नाम कल्याण नगर स्थित जोगा सिंह की ढाणी निवासी प्रताप उर्फ कटोरा, कीर्ति नगर निवासी गगन उर्फ गोलू और परशुराम नगर निवासी सुभाष बताया।

### जिला स्तरीय बॉक्सिंग के ट्रायल 17 को

**सिरसा।** शहीद भगत सिंह स्टेडियम में आगामी 17 मार्च को टीआरजेएसटी बॉक्सिंग क्लब रैडक्रॉस की ओर से जूनियर व सब जूनियर लडक़े/लड़कियों के लिए जिला स्तरीय बॉक्सिंग ट्रायल किए जाएंगे। सतबीर कौर बॉक्सिंग कोच व जिला बॉक्सिंग सचिव सिरसा, सुनील बॉक्सिंग कोच, विनोद रोज बॉक्सिंग कोच, राहुल शर्मा वरिष्ठ बॉक्सिंग कोच ने संयुक्त रूप से जानकारी दी।

### राजीव पार्क में मनाया होली उत्सव, पौधारोपण

**सिरसा।** बी ब्लॉक स्थित राजीव पार्क में बी ब्लॉक डेवलपमेंट ट्रस्ट द्वारा होली उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में नवनिर्वाचित नगर पार्षद राखी मौर्य ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की और राजीव पार्क व बी ब्लॉक स्थित अन्य पार्कों में पौधारोपण किया। इस दौरान उपस्थित वार्डवासियों ने पार्क के सुंदर बनाने का संकल्प लिया गया। वार्डवासियों ने फैंसी लाइट लगवाने की मांग रखी।

बैजलपुर में 21 साल से कायम कोरड़ा मार होली की परंपरा, अन्य जगह रंगों से मना त्योहार

# शहर की सड़कों से लेकर गांव की गलियों तक में रही होली की धूम, त्योहार के गीतों पर जमकर थिरके लोग

## दो दिन में 80 देवर-भाभी की जोड़ियों ने खेली कोरड़ा मार होली

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद/भूना

जिलेभर में रंगों का त्यौहार होली धूमधाम से मनाया गया। शहर की सडक़ों से लेकर गांव की गलियों में होली की धूम रही। शहर के मुख्य बाजारों में युवाओं की टोलियां बाईकों पर घूम-घूम कर एक-दूसरे को रंग लगाती नजर आई। ज्यादातर युवा बाईक पर गलियों में घूमते नजर आए। अनेक जगहों पर लोगों ने डीजे लगाकर होली उत्सव का आनंद लिया। शहर के अनेक मंदिरों में होली उत्सव पर फूलों व रंगों की वर्षा की गई। कई मंदिर में श्याम संकीर्तन भी हुए। हरियाणा की लोक संस्कृति की झलक बैजलपुर गांव में देखने को मिलती है। यहां पिछले 21 वर्षों से लगातार फाग उत्सव मनाया जा रहा है। गांव के सार्वजनिक चौक में तीन दिन तक चलने वाले इस उत्सव में देवर-भाभी की कोरड़ा मार होली खेली जाती है। शुक्रवार से शनिवार तक 15 से 50 वर्ष तक के देवर-भाभी की जोडिय़ां कोरड़ा होली में दमखम दिखाती रहीं। रविवार को 75 वर्षीय अमर सिंह झाझडिया और सहीराम अपनी हमउम्र भाभियों के साथ रंग उत्सव में भाग लेंगे। अब तक 80 देवर-भाभी की जोडिय़ां इस खेल में हिस्सा ले चुकी हैं।

**भूना।** गांव बैजलपुर में फाग उत्सव में कोरड़ा मारती भाभी व पानी डालता देवर व गलियों में होली उत्सव में रंग- गुलाल उड़ाकर खुशी का इजहार करते हुए युवा।

### महिलाएं देवरों को मारती है रस्सी और चुन्नी से बने कोरड़े

होली के अगले दिन फाग उत्सव में देवर-भाभी की कोरड़ा मार होली सबसे खास होती है। गांव के सार्वजनिक चौक में सैकड़ों महिलाएं और पुरुष एकत्रित होते हैं। लोहे की बड़ी कढ़ाई में पानी भरा जाता है और आसपास पानी के टैंकर रखे जाते हैं। महिलाएं चुन्नी और रस्सी से बने कोरड़े से अपने देवरों को मारती हैं, जबकि युवक कढ़ाई से पानी निकालकर महिलाओं पर डालते हैं। ग्रामीण इलाकों में होली के बाद फाग उत्सव का बेसब्री से इंतजार किया जाता है। इस दिन गांव की गलियों में जबरदस्त हुड़दंग मचता है। बैजलपुर में हर साल मजबूत रस्सी से युवकों की पिटाई देखने को मिलती है। विवाहित महिलाएं अपने देवरों के साथ होली खेलती हैं और रस्सी से बने कोरड़ों से वार करती हैं।

### भाईचारा और पानी बचाना मुख्य उद्देश्य: सरपंच

गांव के सरपंच हेमंत बैजलपुरिया ने बताया कि 21 साल पहले सामाजिक लोगों ने होली के दौरान बिगड़ते भाईचारे को बचाने और पानी की बर्बादी रोकने के लिए सामूहिक कोरड़ा मार होली की परंपरा शुरू की थी। आज भी युवाओं की एक टीम बुजुर्गों की इस विरासत को कायम रखे हुए है। बैजलपुर की कोरड़ा मार होली दूर-दूर तक प्रसिद्ध है। बड़ी संख्या में लोग इसे देखने आते हैं। ग्राम पंचायत का खेल प्रबंधन युवाओं की टीम को पूरा सहयोग दे रहा है।

### भाईचारा और पानी बचाने के लिए सामूहिक रूप से खेली जाती है होली

बैजलपुर में सामूहिक फाग उत्सव की शुरुआत 2004 में हुई थी। हवलदार सतबीर सिंह झाझडिया, मास्टर रोहताश भाखर और धर्मवीर कादियान के नेतृत्व में एक कमेटी बनाई गई थी। मकसद था कि होली के दौरान लड़ाई-झगड़े न हों। पहले हर मोहल्ले में अलग-अलग होली खेली जाती थी, जिससे विवाद होते थे। लेकिन सार्वजनिक चौक में सामूहिक होली शुरू होने के बाद भाईचारा बढ़ा और झगड़े खत्म हो गए। कमेटी के प्रधान सतबीर झाझडिया और सदस्य रणसिंह ओला, बलवान सिंह, धर्मबीर सिंह, जसबीर ओला व अन्य मौजूद रहे।

## पुलिस अधीक्षक ने जवानों के साथ मनाई होली

**सिरसा।** पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण के आवास पर होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक ने जवानों को तिलक कर उन्हें होली की बधाई दी तथा डीजे व ढोल पर जवानों संग नाच-गाकर पूरी तरह समा बांध दिया। समारोह में पुलिस अधीक्षक के अलावा एएसपी उत्तम पहल, डीएसपी आदर्श दीप सिंह, डीसीपी संजीव बल्हारा सहित जिला के सभी थाना एवं चौकी प्रभारी तथा पुलिसकर्मियों के परिवारिक सदस्यों ने भाग लिया। पुलिस अधीक्षक ने सभी पुलिस अधिकारियों, पुलिस जवानों तथा उनके परिवारिक सदस्यों को होली की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार होली के त्यौहार को रंगों का त्योहार माना गया है, ठीक उसी प्रकार होली का त्योहार सभी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के जीवन में उन्नति, सफलता तथा खुशहाली के रंग लेकर आए। उन्होंने जिला के सभी नागरिकों को होली की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक होली के पावन पर्व को पूरी शालीनता, सादगी व प्रेम पूर्वक मनाएं। इस अवसर पर उन्होंने सुरक्षा प्रबंधों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि होली के पर्व को देखते हुए जिला पुलिस पूरी तरह सुरक्षा की दृष्टि से अलर्ट मोड पर है। उन्होंने कहा कि शराब पीकर तेज गति से वाहन चलाने वालों पर कड़ी नजर रखी गई।

# उत्सव में भजनों पर झूमें श्यामभक्त

- गुरुकृपा मंडल ने धूमधाम से मनाया होली उत्सव

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

गुरुकृपा मंडल द्वारा होली उत्सव को लेकर आयोजित किए जा रहे सत्संग की कड़ी में डीएसपी रोड स्थित संजय सचदेवा के निवास कार्यक्रम का धूमधाम से आयोजन किया गया। सचदेवा परिवार ने ज्योति प्रचंड करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की शुरूआत टी सीरिज कलाकार भारत टुटेजा ने गणेश वंदना और गुरु वंदना के साथ की। उसके बाद ममता तनेजा ने 'मेरे बांके बिहारी पिया चुरा दिल मेरा लिया, राधे राधे बोल रे मनवा' के साथ श्याम नाम की महिमा का गुणगान किया। उसके बाद श्याम प्रेमी सुनील मदान ने श्याम बाबा के भजनों का गुणगान किया और रसमयी माहौल बना दिया। उसके बाद टी सीरिज कलाकार भारत टुटेजा ने 'बिन पिये नशा हो जाता है, राधे राधे बोल श्याम आयेंगे, मेरी चूनर पे पढ़ गयो दाग री, होली है आज बृज में होली है, बरसाना जाना है, आशा रख पगली वो आयेंगे, मस्तो की मस्ती बरसाना मेरा गांव है' आदि सुंदर भजनों से सभी को नाचने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम में खूब आनंद बरसा और श्यामभक्तों ने होली का खूब आनंद लिया। बाबा श्याम का दरबार देखने योग्य था।इस मौके पर ज्योति जुनेजा, ममता तनेजा, रजत मेहता, ख़ुशी सचदेवा, वीना गिलहोत्रा, करण, कविता, ममता मेहता, चारू, मीनू भूटानी, रजनी, राखी, नीरू, पूनम व अन्य मौजूद रहे।

**फतेहाबाद।** होली उत्सव में भारत टुटेजा को सम्मानित करते महिला मंडल सदस्य।

# शांति स्वरूप ने विधायक पर जड़े आरोप

- कहा: एससी/एसटी एक्ट के तहत दर्ज करवाएंगे मामला

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

सिरसा नगर परिषद के नवनिर्वाचित चेयरमैन वीर शांति स्वरूप वाल्मीकि ने सिरसा के विधायक गोकुल सेतिया पर दलित समाज और भाजपा के शीर्ष नेताओं के लिए अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। शांति स्वरूप वाल्मीकि ने कहा कि बदजुबानी करते हुए विधायक ने मुझे और भाजपा के बड़े नेताओं को अपशब्द कहकर संबोधित किया। यह सीधे रूप में दलित समाज और उनके नेताओं का अपमान है। उन्होंने कहा कि विधायक के खिलाफ मानहानि और एस सी/एसटी एक्ट के तहत शिकायत दर्ज करवाएंगे। साथ ही गोकुल की विधानसभा सदस्यता रद्द करने की मांग उठाई। चेयरमैन शांतिस्वरुप पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। चेयरमैन ने कहा कि जनता ने निकाय चुनाव में विधानसभा चुनाव के तीन महीने बाद ही गोकुल सेतिया और कांग्रेस को नकार दिया। इससे उनमें बौखलाहट है। उन्होंने कहा कि दलितों को प्रताड़ति और अपमानित करने की गोकुल सेतिया की शुरू से ही मानसिकता रही है। पहले भी उन्होंने नगर परिषद के एक दलित कर्मचारी को बंधक बनाया और प्रताड़ति किया था। जिसको लेकर गोकुल सेतिया के खिलाफ एस सी/एस टी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था। बाद में उन्होंने दलित कर्मचारी से माफी मांगी। चेयरमैन शांति स्वरूप ने कहा कि विधायक गोकुल सेतिया ने अपने पद की गरिमा को ठेस पहुंचाई है साथ ही अशोभनीय भाषा का प्रयोग किया।

**सिरसा।** पत्रकारों से बात करते हुए नगरपरिषद के चेयरमैन वीर शांति स्वरुप।

### विधायक का फूंका पुतला

विधायक गोकुल सेतिया की टिप्पणी को लेकर वाल्मीकि समाज के लोगों के अलावा भाजपा-हलोपा कार्यकर्ताओं ने स्थानीय वाल्मीकि चौक पर विधायक का पुतला फूंका तथा विधायक से माफी की मांग की। आक्रोशित वाल्मीकि समाज के लोगों ने विधायक गोकुल सेतिया के पुतले को आग के हवाले कर उनके खिलाफ जोरदार नारेबाजी भी की। इस मौके पर वाल्मीकि समाज के मोनू पेहवाल ने बताया कि विधायक मानसिक रूप से बीमार हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि विधायक की टिप्पणी पूरे वाल्मीकि समाज का अपमान है।

# पेयजल समस्या को लेकर किया प्रदर्शन

- मेला ग्राउंड वार्ड नंबर 13 में पेयजल किल्लत से लोग बेहाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

शहर के मेला ग्राउंड वार्ड नंबर 13 में गर्मियों की शुरूआत से पूर्व ही पेयजल किल्लत को लेकर हाहाकार मच गया है। गहराती समस्या को लेकर वार्डवासियों ने अनिल चंदेल की अध्यक्षता में शनिवार को एकत्रित होकर नारेबाजी करते हुए संबंधित विभाग के खिलाफ अपने गुस्से का इजहार किया। अनिल चंदेल, करतार सिंह, राकेश कुमार, चरणजीत सिंह, रोहताश, बजरंग लाल, भूरा लाल, प्रभु राम, राकेश जांगड़ा, पवन, मंजू रानी, सुमन, पूजा, कविता रानी, ओमपति सहित अन्य लोगों ने बताया कि पिछले 4 दिनों से वार्ड में ट्यूबवेल की मोटर खराब है।

### टैंकर से मंगवाना पड़ रहा

जिसके कारण वार्ड में पीने के पानी के लाले पड़े हुए हैं। मोटर खराब होने के कारण लोगों को मजबूरन टैंकर मंगवाकर पानी की पूर्ति करवानी पड़ रही है, जोकि मानसिक परेशानी के साथ-साथ आर्थिक परेशानी का भी सबब बन रही है। उन्होंने कहा कि अभी तो गर्मी की शुरूआत भी नहीं हुई है। अगर अभी से यही हाल है तो आने वाली गर्मियों में लोगों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। अधिकारी या तो फोन उठाते ही नहीं, अगर गलती से उठा भी लेते हैं तो ठीक करने का लॉलीपॉप देकर दोबारा फोन ही नहीं उठाते।

उन्होंने अधिकारियों को चेताते हुए कहा कि समस्याओं को अनदेखा करने के परिणाम गंभीर होंगे।

**सिरसा।** पेयजल किल्लत से परेशान वार्डवासी प्रदर्शन करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

# खाटू श्याम में खेली फूलों की होली

- फूलों, तिलक, इत्र के साथ श्रद्धालुओं ने पर्व बनाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

श्री खाटू श्याम धाम में श्री श्याम परिवार द्वारा होली का त्योहार धूमधाम व हर्षोल्लास से मनाया। मंदिर के प्रवक्ता दीपेश गोयल ने बताया कि मंदिर के पुजारियों रामशरण गौतम, उमेश गर्ग व विजेंद्र सिंह ने बाबा श्याम को तिलक लगाकर होली पर्व का शुभारंभ किया। इसके बाद सभी भक्तों को तिलक लगाकर होली का उत्सव मनाया गया। इस मौके पर श्रद्धालुओं ने तिलक, फूलों व इत्र की होली भी खेली। श्रद्धालुओं ने चंग धमाल पर नृत्य कर खूब आनंद उठाया। जयपुर से पधारे सुनील शर्मा व प्रवीन पारीक ने राजस्थानी धमाल पर बाबा श्याम के भजनों की अमृतवर्षा की भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया। मंदिर कमेटी के प्रधान डॉ. श्याम सुंदर गुप्ता ने गणेश वंदना से भजन संध्या कार्यक्रम का आगाज किया। इसके बाद कलाकार सुनील शर्मा ने अपनी मधुर वाणी से भजनों की प्रस्तुति देकर उपस्थित को खूब रिझाया। इसके बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

**सिरसा।** राजस्थानी कलाकार चंग धाम की प्रस्तुति देते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

# गोसेवा को बनाएं जीवन का ध्येय

- श्री हरिराम गोशाला, बुर्जभंगु में गो हवन यज्ञ संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

श्री धेनू मानस कथा के पावन समापन अवसर पर श्री हरिराम गौशाला बुर्जभंगु में भव्य गौहवन यज्ञ हुआ। यज्ञ में काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और गौमाता की महिमा का वंदन करते हुए विश्व कल्याण के लिए आहुति अर्पित की। राजेंद्रानंद ने बताया कि गौ हवन यज्ञ केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि संपूर्ण सृष्टि के संतुलन का आधार है। उन्होंने कहा कि गौ माता के पंचगव्य से यज्ञ करने पर वातावरण शुद्ध होता है, रोगनाशक ऊर्जा का संचार होता है और संपूर्ण पृथ्वी पर सात्विकता का प्रभाव बढ़ता है। गौहवन से पर्यावरण संरक्षणए मानसिक शांति और आध्यात्मिक उन्नति संभव होती है। हवन में गौघृत, गौमूत्र, गोबर और विभिन्न औषधीय वनस्पतियों से आहुति दी गई, जिससे वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ। हवन यज्ञ के दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं को गौरक्षा का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि गौमाता की सेवा केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि यह मानवता, कृषि और पर्यावरण के संरक्षण का मार्ग है।

**सिरसा।** हवन यज्ञ में भाग लेते श्रद्धालुजन। *फोटो: हरिभूमि*

## एमएम कॉलेज में 'यूथ फॉर माई भारत' एनएसएस शिविर संपन्न

# ग्रामीणों को नशे व स्वच्छता के प्रति किया जागरूक

- हैल्थ चैकआप और रक्तदान शिविर भी लगाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

मनोहर मैमोरियल महाविद्यालय में एनएसएस ब्वॉयज व गर्ल्ज यूनिट द्वारा आयोजित सात दिवसीय एनएनएस कैम्प का समापन हुआ। 'यूथ फॉर माई भारत' विषय पर आयोजित इस कैम्प में दोनों यूनिटों से करीब 100 वॉलंटियर्स ने विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के तौर पर सीडीएलयू सिरसा से राजनीतिक विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. राजबीर सिंह दलाल, फतेहाबाद से डॉ. आरके कौशिक, राजकीय कॉलेज खैरी चौपटा, हिसार से हेमंत अहलावत तथा डाइट मताना से डॉ. ईश ने भाग लिया। कॉलेज प्राचार्य डॉ. गुरचरण दास ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर शिक्षक मौजूद रहे।

**फतेहाबाद।** वॉलंटियर्स को प्रोत्साहित करते मुख्यअतिथि व स्टाफ सदस्य।

### एनएसएस के महत्व पर प्रकाश डाला

वॉलंटियर्स को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने एनएसएस के महत्व पर प्रकाश डाला और विद्यार्थियों से इस प्रकार के कैम्पों में बढ़चढ़ कर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। एनएसएस गर्ल्ज यूनिट की प्रोग्राम ऑफिसर प्रो. प्रतिभा मखीजा व ब्वॉयज यूनिट से डॉ. विकेश सेठी ने सप्ताहभर हुई गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैम्प के पहले दिन वॉलंटियर्स द्वारा गांव बीघड़ में स्वच्छता और नशामुक्ति को लेकर जागरूकता रैली निकाली गई। इसके अलावा डिजीटल लिटरेसी, पर्यावरण संरक्षण, मौलिक अधिकारों, युवा और एनएसएस, महिला सशक्तिकरण सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार व्याख्यानों का आयोजन किया गया। इसके अलावा गांव बीघड़ में वॉलंटियर्स द्वारा स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। वॉलंटियर्स को प्राथमिक चिकित्सा का प्रशिक्षण दिया गया वहीं हैल्थ चैकअप कैम्प व ब्लड डोनेशन कैम्प भी आयोजित किए गए। इन कैम्पों में दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. करण, डॉ. संदीप व जिला रेडक्रॉस सोसायटी से पहुंची टीम ने अपनी सेवाएं दी।

आज के दौर में अकसर देखा जाता है कि अधिकतर युवा आपस में बातचीत के दौरान भाषा की मर्यादा का ध्यान नहीं रखते हैं। वे अपनी पर्सनालिटी को बिंदास दिखाने के लिए प्राय: ऐसा करते हैं। सच्चाई यह है कि इससे न केवल उनकी सोशल इमेज बिगड़ती है, वर्कप्लेस पर आगे बढ़ने की राह में भी ऐसी भाषा रुकावटें पैदा करती है। इसलिए संवाद के दौरान सजग रहना जरूरी है।

# आपसी संवाद की भाषा हो
# मर्यादित-सकारात्मक-मधुर

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

वर्चुअल दुनिया में परोसे गए कंटेंट की अमर्यादित भाषा को लेकर चल रही बहस के बीच हर किसी के लिए सभ्य शब्दों का महत्व समझना आवश्यक है। आभासी संसार से कहीं ज्यादा, असली दुनिया में सधी संतुलित अभिव्यक्ति जरूरी है। खासकर कूल बनने और कमाल का व्यक्तित्व हो जाने की भूल-भुलैया के इस दौर में युवाओं को यह बात समझनी ही होगी। जरूरी है कि अपने वर्कप्लेस पर भी शब्दों की सभ्यता का दामन थामे रहें। सधी छवि और सफल भविष्य के लिए वर्कप्लेस पर सभ्य भाषा बहुत मायने रखती है।

## शब्दों से जुड़ा सम्मान

काम-काजी संसार में किसी भी तरह के लिखित या मौखिक बातचीत में असभ्य शब्दों का इस्तेमाल करने से बचें। किसी भी परिस्थिति में न तो असभ्य शब्द लिखें और न ही बोलें। ध्यान रहे कि आपके शब्दों से स्वयं का सम्मान भी जुड़ा है। यह न भूलें कि दूसरों के मन और मान को ठेस पहुंचाने वाले शब्द इस्तेमाल करने वाले खुद भी किसी से इज्जत नहीं पाते हैं। बावजूद इसके ऑफिस में भी ह्यूमर के नाम पर किसी सहकर्मी या सहायक स्टाफ की हंसी उड़ाने की गलती बहुत से लोग करते हैं। इस तरह के असामान्य और कुंठाग्रस्त व्यवहार के घेरे में आने से बचने के लिए पहले ही कदम पर सजगता जरूरी है। वरना जाने-अनजाने कुछ भी कह-सुना देने की आदत बनती जाती है। बिना सोचे-समझे मुंह से अभद्र शब्द निकलने लगते हैं। करियर को नुकसान पहुंचाने वाली यह आदत खुद आपको भी एक कुंठित व्यक्तित्व ही देती है। जोश भरे युवाओं को हर पल याद रखना चाहिए कि काम-काजी दुनिया में अनुशासित रहना बहुत आवश्यक है। अच्छी भाषा, इसी अनुशासन का हिस्सा है। अनुशासन के दायरे में रहते हुए सदा सकारात्मक ढंग से बातचीत करने की राह चुनने में ही समझदारी है। किसी के साथ भी असभ्य संवाद करने से पहले याद रखिए कि ये शब्द स्वयं आपके सम्मान से भी जुड़े हैं।

## इमेज पर पड़े बुरा प्रभाव

बातचीत में इस्तेमाल होने वाले अभद्र शब्द, इंसान की बॉडी लैंग्वेज भी बिगाड़ देते हैं। बोलने वाले के हाव-भाव को भी नेगेटिव रंगत में ढाल देते हैं। शब्दों पर कंट्रोल न करना, इंसान की बॉडी लैंग्वेज को अजीबो-गरीब बना देता है। समझना मुश्किल नहीं कि ऐसी सभी बातें व्यक्तित्व को गहराई से प्रभावित करती हैं। जो सीधे-सीधे वर्कप्लेस पर आपकी इमेज बिगाड़ने वाली साबित होती हैं। वहीं सोच-समझकर बोलना, न केवल आपका फर्स्ट इंप्रेशन पॉजिटिव बनाता है बल्कि आगे भी आपकी सकारात्मक छवि को कायम रखता है। सोशल लाइफ हो या प्रोफेशनल, सोशल एटिकेट्स हमेशा मायने रखते हैं। आपको यह समझना चाहिए कि बातचीत में गलत शब्दों का चुनाव, आपको असहयोगी और अकड़ू व्यक्ति का तमगा दिलाने वाला बर्ताव साबित हो सकता है।

## बेहतरी के लिए सही भाषा जरूरी

काम-काजी दुनिया में आपसे जुड़े सीनियर हों या जूनियर, सही सोच और अच्छे मैनर्स से सबका दिल जीता जा सकता है। स्पष्ट है कि इससे करियर में आगे बढ़ने में भी मदद मिलती है। बेहतर प्रोजेक्ट्स आपके हिस्से आते हैं। इतना ही नहीं सभ्य भाषा और सधा बर्ताव कई बार आपको किसी तकलीफ में फंसने से भी बचा लेता है। सहकर्मियों के साथ किया गया मीनिंगफुल और माइंडफुल संवाद काम-काज के लिए पॉजिटिव परिवेश बनाता है, जिसके चलते लोगों का दिल जीतने के साथ-साथ कामयाबी भी आपके हिस्से आती है। मन जीतने के इन सभी मोर्चों पर अच्छी भाषा सबसे ज्यादा मायने रखती है। असल में देखा जाए तो सकारात्मक शब्दों और सभ्य बोलचाल के प्रभाव का यह सिलसिला इंटरव्यू से ही शुरू हो जाता है। बावजूद इसके युवाओं की अजीबो-गरीब भाषा शैली आज चिंता का विषय बन गई है। मनोवैज्ञानिक विश्लेषणों में भी सामने आया है कि आमतौर पर युवा बेझिझक अपशब्दों का इस्तेमाल करते हैं। इस बर्ताव के पीछे मौजूद साइकोलॉजिकल कारण बताते हैं कि आज की युवा पीढ़ी बोलने या करने से पहले कुछ नहीं सोचती। साथ ही वे इस बात से भी प्रभावित नहीं होते कि कोई उनके बारे में क्या सोचेगा? या उनके बोले शब्दों का किसी पर क्या प्रभाव पड़ेगा? सच्चाई यह है कि जीवन का कोई पक्ष, अशिष्ट शब्दों के नकारात्मक असर से नहीं बच पाता है। जरूरी है कि युवा आज के दौर में बढ़ती शाब्दिक अभद्रता की संस्कृति से बचें। दफ्तर में भावों, विचारों और सूचनाओं का आदान-प्रदान करते हुए संयत और सभ्य शब्दों का चुनाव करें। सधे व्यक्तित्व की सौगात देने वाला यह व्यवहार आपके लिए सदा ही बेहतरी के मार्ग खोलने वाला साबित होगा। *

### संवाद से जुड़ा कारगर फॉर्मूला

**प्रसिद्ध शोधकर्ता** अल्बर्ट मेहराबियन द्वारा दिए गए 55-38-7 का फॉर्मूला बताता है कि कम्युनिकेशन 55 फीसदी नॉन वर्बल (शारीरिक भाषा यानी हाव-भाव) और 38 प्रतिशत वोकल (स्वर के द्वारा) होता है। संवाद में सिर्फ 7 फीसदी हिस्सा ही वर्बल यानी शब्दों से प्रकट होता है कि आप वास्तव में क्या कहते हैं? ऐसे में मजाक हो या प्रतिक्रिया देना, गलत शब्दों का इस्तेमाल आपकी अभिव्यक्ति की पूरी श्रृंखला ही बिगाड़ सकता है। इसलिए हर किसी को संवाद के दौरान अपने शब्दों के इस्तेमाल को लेकर पूरी तरह सजग रहना चाहिए।

इन दिनों आप अकसर बातचीत के दौरान अलग-अलग पीढ़ियों के लिए कुछ खास नाम सुनते होंगे, जैसे जेन एक्स, मिलेनियल, जेन जेड, बेबी बूमर्स आदि। आपके मन में सवाल उठता होगा कि आखिर ये नाम कैसे रखे जाते हैं? इनकी क्या विशेषताएं हैं? आइए, इन सभी सवालों के जवाब जानते हैं।

# एक-दूसरे से अलग-अनोखी है
# हर जेनरेशन की कहानी

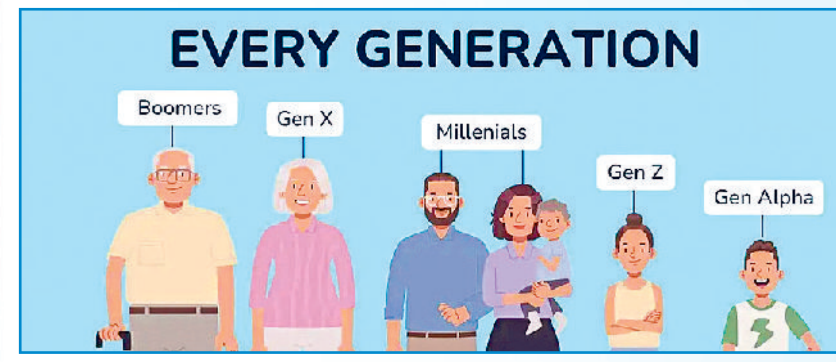


सोशल ट्रेंड
शिखर चंद जैन

एक समय तक आम चलन में नई और पुरानी पीढ़ी का ही जिक्र किया जाता रहा है। लेकिन अब अलग-अलग पीढ़ी को अलग नामों से भी जाना जाता है। इनका चलन हाल के सालों में तेजी से बढ़ा है।

**कैसे तय होता है पीढ़ियों का नाम:** पीढ़ियों का नाम तय करना, श्रमसाध्य, विचारपरक और कई चीजों पर आधारित एक जटिल प्रक्रिया है। यह एकेडमिक अनुसंधान, मीडिया के प्रभाव और सांस्कृतिक प्रभाव पर निर्भर करता है। जनसांख्यिक और समाजशास्त्री जनसंख्या सर्वेक्षणों, जन्म दरों और सामाजिक परिवर्तनों की पहचान के आधार पर ये नामकरण करते हैं। हां, इसे लोकप्रिय और प्रचलित करने का काम मीडिया का होता है।

**नया ट्रेंड है पीढ़ियों का नामकरण:** पीढ़ियों के नामकरण और श्रेणीबद्ध करने की परंपरा बहुत पुरानी नहीं है। 20वीं सदी की शुरुआत में इसका चलन शुरू हुआ है। इस वक्त जनसांख्यिकों और समाजशास्त्रियों ने जनसंख्या का विश्लेषण और सामाजिक बदलाव को दर्ज करना शुरू कर दिया था। पीढ़ियों के नाम महत्वपूर्ण सामाजिक, सांस्कृतिक घटनाओं, विभिन्न आयु वर्ग की आदतों और समय विशेष पर आधारित होने लगे। अब आपको बताते हैं, अब तक की अलग-अलग पीढ़ियों के नामकरण के बारे में।

**बेबी बूमर्स:** वर्ष 1946 से 1964 के बीच जन्मे बच्चों को बेबी बूमर्स कहा गया। दरअसल, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद एक बेबी बूम आया था, जब दुनिया में जन्म दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई थी। इस पीढ़ी ने 60 के दशक के बड़े सामाजिक परिवर्तन देखे। इसी दौरान कार्पोरेट जगत का उदय हुआ और और लोगों की जीवनशैली पर इस संस्कृति का खासा प्रभाव पड़ा। उस दौर के लोग आज सीनियर सिटिजन हो चुके हैं।

**जेनरेशन एक्स:** 1965 से 1980 के बीच जन्मे बच्चे, जेनरेशन एक्स कहलाते हैं। इस दरमियान समाज में कोई उल्लेखनीय और व्यापक परिवर्तन नहीं हुए। यद्यपि उस पीढ़ी के बच्चों ने पर्सनल कंप्यूटर का उद्भव होते देखा है। उस दौर के लोग अब मिड एज क्रॉस कर ओल्ड एज की ओर बढ़ रहे हैं।

**मिलेनियल/जेन वाई:** 1981 से 1996 के बीच जन्मे बच्चों को मिलेनियल कहा जाता है। उस पीढ़ी के लोगों ने 'मी जेनरेशन' या 'ईको बूमर्स' भी कहा जाता है। उस पीढ़ी को अपने में ही डूबे रहने, एकलवाद, डिजिटल टेक्नोलॉजी की जानकार और आर्थिक रूप से संपन्न माना गया। ये पीढ़ी मैटीरियल पजेजन से ज्यादा एक्सपीरियंस को महत्व देती थी।

**जेनरेशन जेड:** 1990 के मध्य से 2010 तक के दशक की शुरुआत तक जन्मी पीढ़ी को जेन जेड कहा जाता है। इस पीढ़ी को इसकी ग्लोबल कनेक्टिविटी और एंटरप्रेन्योरल स्पिरिट के लिए जाना जाता है। इन्हें कहीं-कहीं आई जेनरेशन और डिजिटल नेटिव्स भी कहा जाता है। इस पीढ़ी के बच्चे स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और सूचनाओं के त्वरित ग्रहण और उसे दूसरों तक प्रसारित करने के लिए जाने जाते हैं। ये पीढ़ी अभी युवावस्था से गुजर रही है।

**जेनरेशन अल्फा:** 2010 से 2024 के बीच जन्मे बच्चे जेनरेशन अल्फा के बच्चे कहलाते हैं। अल्फा 21वीं सदी की पहली पीढ़ी कही जा सकती है। यह पीढ़ी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ऑगमेंटेड रियलिटी और स्मार्ट टेक्नोलॉजी के साए में जन्मी, पली और बड़ी हुई है। उनकी शिक्षा, खेलकूद, एंटरटेनमेंट सब कुछ टेक्नोलॉजी से अत्यधिक प्रभावित है। यह पीढ़ी अभी टीनएज से गुजर रही है। इसके बाद इसी साल एक जनवरी 2025 के बाद से जन्म लेने वाली पीढ़ी को जेन बीटा का मेंबर माना जा रहा है। इनके जीवन के हर पक्ष में तकनीक का जबर्दस्त प्रभाव दिखेगा।

**एक पीढ़ी के गुणों में समानता:** यह एक जटिल प्रश्न है कि क्या दुनिया भर में जन्मे एक पीढ़ी के लोगों में समानता होती है? यह काफी कुछ दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में घटने वाली घटनाओं, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, वातावरण एवं सामाजिक ढांचे पर निर्भर करता है। लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि इंटरनेट युग में जन्मी ग्लोबल युवा पीढ़ी के बहुत सारे गुण और आदतें लगभग एक समान होते हैं। *

### क्या है सैंडविच पीढ़ी

**सैंडविच पीढ़ी** का अर्थ मध्यम आयु वर्ग यानी 45 से 55 वर्ष के इर्द-गिर्द के व्यक्तियों से है। इन पर अपने बुर्जुग माता-पिता और युवा बच्चों दोनों का भरण-पोषण करने की जिम्मेदारी है। सैंडविच पीढ़ी का नाम इसलिए रखा गया है, क्योंकि वे अपने बूढ़े माता-पिता की देखभाल करने के दायित्व और किशोरावस्था से युवा होते बच्चों की नई-नई फरमाइशों और चाहतों के बीच 'सैंडविच' जैसी स्थिति में होते हैं। ये कम ऊर्जावान, थके-थके से या बीमारियों से जूझने वाले हो सकते हैं। विभिन्न कार्य करने में असमर्थ हो सकते हैं या इनका वित्तीय रुप से अकसर हाथ तंग हो सकता है। इन्हें इस उलझन से गुजरना पड़ता है कि मां-बाप के लिए दवा और तीर्थाटन की व्यवस्था करें या बच्चों को महंगे गैजेट्स और ब्रांडेड कपड़े खरीदकर दें।

छोटी कहानी
सुनील कुमार महला

# शर्मिंदा

ऑटो रिक्शा में अनिल के बगल में आकर वह व्यक्ति जैसे ही बैठा, उसने अपना एक हाथ अनिल के बैग पर रख दिया। अनिल ने उसे ऐसा करने से मना किया। लेकिन उस आदमी ने हाथ रखने की जो वजह बताई, अनिल खुद पर शर्मिंदा हो गया।

रेलवे स्टेशन के बाहर खड़ा अनिल, बस स्टैंड जाने के लिए ऑटो रिक्शा का इंतजार कर रहा था। तभी एक ऑटो रिक्शा वाला तीस रुपए में बस स्टैंड जाने के लिए तैयार हो गया। अनिल ने अपने दो भारी-भरकम बैग ऑटो रिक्शा में रखे और स्वयं भी उसमें सवार हो गया। ऑटो रिक्शा में अनिल अकेला ही बैठा था। जब कोई अन्य सवारी ऑटो में बैठने नहीं आई तो उसने अपने एक बैग को ऑटो रिक्शा की सीट पर ही रख दिया, ताकि पैरों के पास सामान रखने से उसे ऑटो रिक्शा में बैठने में कोई दिक्कत-परेशानी न हो। शाम का समय था, ठंडी हवाएं चल रही थीं, इसलिए अनिल ने अपने चेहरे को मफलर से ढंक रखा था। ऑटो रिक्शा वाला अभी एक अन्य सवारी के इंतजार में था। थोड़ी देर में एक लंबा व्यक्ति, जो कंबल ओढ़े हुआ था, बस स्टैंड जाने के लिए उसी ऑटो रिक्शा के पास आया। ऑटो रिक्शा वाले ने उस व्यक्ति को भी ऑटो में बिठाया। वह लंबा व्यक्ति ऑटो रिक्शा में उस साइड में बैठ गया, जिधर सीट पर अनिल का सामान से भरा हुआ भारी-भरकम बैग रखा हुआ था। ऑटो रिक्शा में सवार होते ही कंबल ओढ़े हुए उस व्यक्ति ने अपना दायां हाथ बैग के ऊपर रख दिया और संभल कर बैठ गया। ऑटो रिक्शा वाला गंतव्य की ओर चल पड़ा। तभी अनिल ने ऑटो रिक्शा में बैठे उस व्यक्ति की ओर देखते हुए थोड़ा गुस्से में कहा, 'भाई साहब! जरा ध्यान से बैठें और हां, बैग को इतना दबाव देते हुए न पकड़ें। दरअसल, बैग में बच्चों के लिए कुछ टूटने वाला कीमती सामान रखा हुआ है और आपके हाथ के दबाव से इसमें रखा सामान टूट सकता है।'

कंबल ओढ़े हुए वह व्यक्ति अनिल की बात सुनकर एकदम से सकपका गया, उसने अनिल से कहा, 'अरे भाई साहब मुझसे गलती हो गई! मुझे नहीं पता था कि इसमें आपका कुछ टूटने वाला कीमती सामान रखा हुआ है। दरअसल, वो क्या है कि मेरा एक ही हाथ है न! ऑटो रिक्शा जब ऊबड़-खाबड़ सड़क पर तेजी से चलता है, तब एकदम से ऑटो रिक्शा में अपना बैलेंस बनाना मुश्किल होता है इसलिए, थोड़ा सहारा लेने के लिए, भूलवश मैंने आपके सामान से भरे बैग पर अपना हाथ रख दिया। इसके लिए मुझे माफ कर दीजिए, मैं बहुत शर्मिंदा हूं।' उस व्यक्ति की ये बातें सुनकर अनिल उसे एकटक देखता ही रह गया। दरअसल, अनिल ने कंबल ओढ़े व्यक्ति को ऑटो रिक्शा में बैठते समय एकबारगी देखा जरूर था, लेकिन उस व्यक्ति के कंबल ओढ़े रहने के कारण सुनील को इस बात का अहसास ही नहीं हुआ था कि जो व्यक्ति ऑटो में उसके साथ बैठा था, उसके एक ही हाथ है। अनिल अब अपने रूखे बर्ताव पर मन ही मन शर्मिंदा महसूस कर रहा था। *

गजल
अब्दुल कलाम

# हम अमर होते

सुबह शाम उनकी नजर होते
आइना काश हम अगर होते

तुरबतें अपनी भी बाकमाल होती
हम जो मीर, गालिब या जफर होते

खत में पता ही गलत था वरना
गए हम भी उनके शहर होते

बैठ जाते घनी छांव में थक कर
हमारे जीवन का जो तुम शजर होते

तुम्हारी याद में जीते और याद में
मर कर भी हम अमर होते

तुमने देखा ही नहीं उस रोज का अखबार
वरना हमारे हाल से तुम बाखबर होते

लघुकथा
गोविंद भारद्वाज

# बदलते हुए मायने

अपने बेटे के लिए सोनाक्षी को देखने आईं सावित्री ने कहा, 'आपकी बेटी सोनाक्षी हमें बहुत पसंद है, बस अब आपकी हां की जरूरत है।'

'हमारी तो हां है बहन जी... इसलिए तो आपको लड़की दिखाने के लिए बुलाया है।' पार्वती ने खुश होकर जवाब दिया।

'तो देर किस बात की है... मुंह मीठा कराइए...' सावित्री ने तपाक से कहा।

इस पर पार्वती ने विनम्रता से कहा, 'बहनजी रिश्ता पक्का करने से पहले दान-दहेज की भी खुल के बात कर लें तो ठीक रहेगा... ताकि आगे चलकर संबंधों में कोई खटास न आए।'

'बात तो आप ठीक कह रही हैं। इस बारे में मेरी राय यह है कि दहेज से तो हमें सख्त नफरत है... हां रही दान की बात, आप जितना भी देंगे अपनी इकलौती बिटिया को देंगे... इससे हमें कोई ऐतराज नहीं होगा।' सावित्री ने अपने मन की बात कही।

इस पर सोनाक्षी के पिताजी ने अपनी धर्मपत्नी पार्वती को दूसरे कमरे में बुलाया और उनसे धीरे से कहा, 'देखा पार्वती... कितनी चालाक हैं ये... दहेज से नफरत है और दान से नहीं... बातों-बातों में शब्दों के हेर-फेर से दहेज लेने की बात भी कह दी।'

पार्वती बोली, 'तुम ठीक कह रहे हो सोनाक्षी के पापा... मायने में तो दान और दहेज कोई अलग-अलग शब्द नहीं हैं।'

'क्या बातचीत हो रही है हमारे समधी-समधन में...' सावित्री ने उन्हें फुसफुसाते देखकर बाहर वाले कमरे से पूछा।

'कुछ नहीं बस, हम दुनिया के बदलते हुए मायने पर विचार कर रहे थे।' पार्वती ने जवाब दिया। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

# मोहब्बत की दास्तानें

सारी दुनिया में मोहब्बत पर अब तक असंख्य कहानियां लिखी जा चुकी हैं। लेकिन यह ऐसा एहसास है, जिसे हर कोई अपनी तरह से महसूसता है, उसे बयां करता है। यह एहसास, वरिष्ठ कथाकार गोविंद उपाध्याय द्वारा लिखी गई पंद्रह प्रेम कहानियों के संकलन 'मितऊ' की कहानियों से गुजरते हुए और पुख्ता होता है। इन कहानियों में अलग-अलग उम्र और परिवेश के पुरुष और स्त्री के बीच पनपे प्यार के जज्बातों को पूरी संजीदगी से व्यक्त किया गया है। संग्रह की 'विकल्प' कहानी को अगर छोड़ दिया जाए तो अधिकतर में प्यार अपने अंजाम तक नहीं पहुंच पाता है। या कहें, सभी में अलग-अलग भावभूमि और जीवन-परिस्थितियों के आगे विवश, प्रेमी युगल विरह की टीस के साथ एक-दूसरे से अलग हो जाते हैं। इन कहानियों की विशेषता यह भी है कि इनके नायक-नायिकाओं में कहीं भी देहासक्ति नजर नहीं आती है, प्रेम की पवित्र भावना की गरिमा बनाए रखना उनके लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता है। इसे कई कहानियों में देख सकते हैं। फिर वो चाहे 'मेज नंबर सात' का लाइब्रेरियन हो या 'चौथे पहर का विरह गीत' का पत्रकार, प्रेम की मर्यादा को कभी नहीं लांघते हैं। यही इन कहानियों की खूबसूरती भी है, जो इन्हें बेहद पठनीय बना देती है। *

**पुस्तक:** मितऊ (कहानी संग्रह), **लेखक:** गोविंद उपाध्याय, **मूल्य:** 250 रुपए, **प्रकाशक:** न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली

संयुक्त अरब अमीरात का दुबई शहर, पूरी दुनिया में अपनी खूबसूरती और आधुनिक सुख-सुविधाओं के लिए जाना जाता है। इसे खूबसूरत बनाने के लिए शहर की व्यवस्थित प्लानिंग, प्रशासनतंत्र और स्थानीय लोगों का सामूहिक योगदान है। कुछ समय से दुबई में रह रहे लेखक ने वहां की खासियतों को स्वयं अनुभव किया है। उसी को बयां कर रहे हैं अपनी जुबानी।

# आधुनिकता-विविधता को समेटे
# शानदार-खूबसूरत शहर दुबई

बेमिसाल
जोगिंदर रोहिल्ला

दुनिया के कई देशों में रहने और काम करने का अनुभव मुझे मिलता रहा है। फिलहाल दुबई में हूं। इस शहर की कई विशेषताएं ऐसी हैं, जो इसे दुनिया भर से अलग बनाती है। यह शहर आधुनिकता, विविधता और स्वच्छता का अनोखा संगम कहा जा सकता है। इस शहर की सड़कों से गुजरते हुए, मुझे इसकी हरियाली, चमचमाती गगनचुंबी इमारतें और अनुशासित जीवनशैली बहुत प्रभावित करती है। 'हरियाली' शब्द पढ़कर आप चौंक तो नहीं गए! दुबई तो संयुक्त अरब अमीरात में है, जो रेगिस्तानी इलाके के रूप में जाना जाता है। तो यहां हरियाली कैसे? शुरू-शुरू में मुझे भी यही आश्चर्य हुआ था, लेकिन सच यह है कि यहां के बहुत से रिहायशी इलाके बहुत ही व्यवस्थित ढंग से हरे-भरे नजर आते हैं।

**इमारतों-सड़कों का आकर्षण:** दुबई अपनी गगनचुंबी इमारतों और अद्वितीय वास्तुकला के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। बुर्ज खलीफा, जो दुनिया की सबसे ऊंची इमारत है, दुबई की पहचान बन चुकी है। लेकिन यही नहीं इस शहर की लगभग हर ऊंची इमारत में कोई न कोई ऐसी खासियत है, जो इसे अलग बनाती है। ये खूबसूरत-गगनचुंबी इमारतें न केवल आधुनिकता का प्रतीक हैं, बल्कि इनसे दुबई का भविष्य भी झांकता दिखाई देता है। दुबई शहर की मुख्य सड़क शेख जायद रोड, जिसके दोनों ओर शानदार इमारतें हैं, ऐसा स्थान है, जो शहर की गतिशीलता और ऊर्जा को भी दर्शाती है। रात के समय इमारतों की जगमगाती रोशनी और सड़कों पर दौड़ती गाड़ियां अत्याधुनिक शहर का मनमोहक दृश्य प्रस्तुत करती हैं।

**मन मोहती स्वच्छता:** दुबई में कदम रखते ही सबसे पहली बात, जो ध्यान आकर्षित करती है, वह है यहां की बेहतरीन स्वच्छता। चारों तरफ इतनी सफाई रहती है कि आप हैरान हो जाएंगे। मैं दुबई मरीना एरिया में कुछ दिन रहा और नोट किया कि सूरज निकलने से काफी पहले ही म्युनिसिपेलिटी के सफाई कर्मचारी अपने काम में लग जाते हैं और निश्चित करते हैं कि सफाई में कोई भी कमी न रहे। दुबई का हर कोना मानो, यह संदेश देता है कि स्वच्छता ही असली सुंदरता है।

**सभी करते हैं नियमों का पालन:** यातायात संबंधी कोई परेशानी यहां नजर नहीं आती है। सभी यातायात नियमों का पालन करते हैं। इन नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए कड़े दंड का प्रावधान है। उदाहरण के लिए अगर आप सड़क पार करते समय निर्धारित स्थानों का उपयोग नहीं करते हैं तो आपको स्थानीय 400 दिरहम (एईडी) का जुर्माना भरना पड़ सकता है। यह न केवल लोगों को अनुशासित रहने के लिए प्रेरित करता है, बल्कि शहर की स्वच्छता और सुरक्षा बनाए रखने में भी मदद करता है। बहुत सारे विकसित देशों की तरह ही दुबई में भी सड़क पर पैदल चलने वाले लोगों को प्राथमिकता दी जाती है।

**सी-बीच के लाजवाब नजारे:** दुबई के समुद्र तट भी इसकी खासियतों में से एक हैं। साफ-सुथरे और व्यवस्थित समुद्र तटों पर समय बिताना किसी जादुई अनुभव से कम नहीं होता है। मुझे विशेष रूप से दुबई की बीच लाइब्रेरी बहुत पसंद आई। समुद्र किनारे किताबें पढ़ने का अनुभव अनोखा और सुकून भरा होता है। यह न केवल मनोरंजन का माध्यम है, बल्कि ज्ञानवर्धन का भी। इन तटों पर सुबह-सुबह की सैर और सूर्यास्त के समय का दृश्य मन को असीम शांति प्रदान करता है। दुबई स्थित मरीना बीच और जुमेराह बीच का साफ और व्यवस्थित वातावरण इसे और भी खास बनाता है। यहां आने वाले पर्यटकों के लिए विभिन्न प्रकार के वॉटर स्पोर्ट्स का आयोजन भी किया जाता है, जो पर्यटकों को बहुत आकर्षित करता है।

**दिखती है अनेकता में एकता:** दुबई शहर की एक विशेषता, यहां विविधताओं का अनोखा संगम भी है। यहां 100 से अधिक देशों के लोग मिल-जुलकर रहते हैं। अलग-अलग संस्कृति, भाषा और परंपराओं के बावजूद यहां के लोग एक-दूसरे का सम्मान करते हैं। इतनी विविधता के बावजूद, दुबई एकता की मिसाल कायम करने वाला शहर है। यहां की दुकानों और बाजारों में विभिन्न देशों के व्यंजन और उत्पाद आसानी से मिल जाते हैं, जो इस सांस्कृतिक समृद्धि को और भी उजागर करते हैं।

**हर जगह दिखती है सुचारु व्यवस्था:** दुबई की सार्वजनिक सेवाएं भी बेजोड़ हैं। यहां की मेट्रो सेवा, बस सेवा और टैक्सी सेवा इतनी व्यवस्थित है कि किसी को भी यात्रा करने में कोई दिक्कत नहीं होती है। यहां का सार्वजनिक परिवहन इतना सुविधाजनक है कि आप बिना किसी परेशानी के शहर के कोने-कोने तक पहुंच सकते हैं। स्वास्थ्य सेवाएं और सरकारी कार्यालयों की कार्यप्रणाली इतनी तेज और प्रभावी है कि समय का सम्मान हर जगह नजर आता है।

दुनिया के कई देशों में घूमने के बाद, दुबई ने मुझे यह सिखाया है कि जब विविधता, अनुशासन और स्वच्छता का संगम होता है, तो एक बेहतर शहर-समाज का निर्माण होता है। *

### बेमिसाल है मोहम्मद बिन राशिद लाइब्रेरी

दुबई में कोई पुस्तकप्रेमी पर्यटक आए और मोहम्मद बिन राशिद लाइब्रेरी न जाए, यह तो हो ही नहीं सकता है। वैसे भी मैं दुनिया में जिस भी नए शहर जाता हूं, वहां की लाइब्रेरी जरूर देखता हूं। लेकिन मोहम्मद बिन राशिद लाइब्रेरी को देखकर यही कहने को दिल करता है कि ऐसी लाइब्रेरी कोई और नहीं है। इस लाइब्रेरी की बिल्डिंग भी बुक शेप्ड है। यहां टेक्नोलॉजी और किताबों को बहुत ही अच्छे तरीके से एक जगह पर संजोया गया है। इस लाइब्रेरी में विभिन्न विषयों पर बेशुमार पुस्तकें और उनके डिजिटल फॉर्मेट्स बुक लवर्स के लिए उपलब्ध हैं।

### यादगार नए साल का स्वागत

इस साल दुबई में नए साल (वर्ष 2025) का स्वागत करना मेरे जीवन का एक यादगार अनुभव रहा। मरीना बीच पर आतिशबाजी का शानदार प्रदर्शन, संगीत और खुशियों की गूंज ने इस पल को अविस्मरणीय बना दिया। नए साल के मौके पर सड़कों पर उमड़ी भीड़ और हर चेहरे पर खुशी की चमक इस शहर की जिंदादिली का प्रतीक थी। उसे देखकर यही लगा कि यहां के उत्सवप्रेमी लोग खुशी के हर अवसर को उल्लास से भर देते हैं।

सेल्फ मोटिवेशन
अतुल मलिकराम

गरीबी केवल आर्थिक स्थिति नहीं होती है, यह एक मानसिकता का भी परिणाम होती है। जब तक हम अपनी सोच नहीं बदलते, तब तक अपनी स्थिति में बदलाव करना मुश्किल है। यह बदलाव कैसे संभव है, इसके लिए क्या जरूरी है, हमें जरूर जानना चाहिए।

# पैसा नहीं सोच बनाती है
# हमें अमीर या गरीब

गरीबी, हमारे देश-समाज में एक ऐसी समस्या है, जिसे खत्म करने के लिए सबसे ज्यादा प्रयास किए गए। इसके लिए हर प्रकार की योजनाएं, कार्यक्रम और अभियान चलाए गए, फिर भी इस समस्या से छुटकारा नहीं पाया जा सका। इसका एक कारण यह है कि इस समस्या को केवल एक आर्थिक स्थिति मानकर ही इसका हल खोजा जाता रहा है, जबकि यह समस्या केवल आर्थिक अभाव की स्थिति नहीं है, बल्कि इससे बढ़कर यह एक मानसिक स्थिति भी है।

**सोच रखती है मायने:** गरीब होना केवल पैसों की कमी का नाम नहीं होता है, बल्कि यह उस सोच का भी परिणाम है, जो किसी को गरीबी के जाल से बाहर निकलने से रोकती है। कई बार लोग गरीबी को केवल आर्थिक दृष्टिकोण से देखते हैं। उनके अनुसार, गरीबी मिटाने का समाधान केवल धन है। लेकिन, क्या सचमुच ऐसा है? यदि केवल आर्थिक मदद से गरीबी दूर हो सकती, तो अब तक दुनिया से गरीबी का नामो-निशान मिट चुका होता। लेकिन ऐसा नहीं हो सका है।

**मानसिकता होती है जिम्मेदार:** आर्थिक स्थिति के साथ-साथ गरीबी उस मानसिकता का परिणाम है, जिसमें इंसान अपने आप को परिस्थितियों का गुलाम मान लेता है। ऐसी सोच वाले लोग अपनी स्थिति को बदलने का प्रयास ही नहीं कर पाते। आपने कई बार देखा और सुना होगा कि कुछ परिवार पीढ़ी-दर-पीढ़ी गरीब रहते हैं। इसका कारण केवल आर्थिक संसाधनों की कमी नहीं है, बल्कि वह मानसिकता है, जो उनकी हर पीढ़ी को विरासत में मिलती है। बच्चे अपने परिवार के वातावरण और सोच को आत्मसात कर लेते हैं। जब वे अपने माता-पिता को यह कहते सुनते हैं, 'हम तो हमेशा से गरीब हैं', या 'गरीबी के साए में पलना-बढ़ना ही हमारी किस्मत में है', तो उनके मन ही नहीं, बल्कि जीवन में भी यही विश्वास घर कर जाता है। और यही विश्वास फिर धीरे-धीरे उनकी सोच और व्यवहार का हिस्सा बन जाता है। इस प्रकार, एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक यह मानसिकता हस्तांतरित होती रहती है और गरीबी नाम का यह साया और भी काला होता चला जाता है।

**सही सोच से संभव है बदलाव:** गरीबी की कैद से बाहर निकलने के लिए केवल धन की आवश्यकता नहीं होती है। इसकी असली चाबी है सकारात्मक सोच और दृढ़ संकल्प। वे ही लोग गरीबी से बाहर निकल सके हैं, जिन्होंने सबसे पहले अपनी सोच और मानसिकता बदली। उन्होंने यह समझा कि गरीब होना स्थायी स्थिति नहीं है। वे समझते हैं कि यदि वे मेहनत करें, अपने हुनर को पहचानें और अवसरों का लाभ उठाएं, तो वे अपनी स्थिति को बदल सकते हैं।

**आत्मविश्वास से बदलेंगे हालात:** सोच के समृद्ध होने का मतलब केवल बड़े सपने देखना भर नहीं होता है। इसका मतलब है, हर चुनौती को अवसर के रूप में देखना और लगातार प्रयास करते रहना। साथ ही यह ठान लेना कि इस स्थिति से बाहर निकलना ही है। जब तक यह विश्वास नहीं होगा कि आप अपनी स्थिति बदल सकते हैं, तब तक कोई भी आपकी मदद नहीं कर पाएगा। इसलिए अपनी स्थिति सुधारने के लिए सबसे पहले मानसिकता बदलने की जरूरत है।

खुद पर विश्वास करना गरीबी से बाहर निकलने की पहली सीढ़ी है। जब आप यह मानेंगे कि आप बदलाव ला सकते हैं, तभी आप प्रयास करेंगे। ज्ञान और कौशल वह हथियार हैं, जिनसे आप किसी भी स्थिति से बाहर निकल सकते हैं। नए कौशल सीखें और अपने आप को बेहतर बनाने की दिशा में काम करें। अपनी सोच को सकारात्मक बनाएं। नकारात्मक विचारों को त्यागें और हर समस्या में समाधान ढूंढ़ने की आदत डालें। अगर हम अपनी सोच को सकारात्मक बनाएं, अपने आप पर विश्वास रखें और अवसरों का लाभ उठाएं, तो हम गरीबी से बाहर निकल सकते हैं। *

फैशन ट्रेंड
विवेक कुमार

अगर आप ऐसी ड्रेस चाहते हैं, जो कंफर्टेबल होने के साथ-साथ आपको फैशनेबल और ट्रेंडी लुक भी दे, तो स्पोर्ट्स वियर या एथलीजर आपके लिए परफेक्ट च्वॉइस हो सकती है।

# कूल फैशन का ऑप्शन
# एथलीजर-स्पोर्ट्स वियर

इन दिनों युवाओं में स्पोर्ट्स वियर और एथलीजर का क्रेज सिर चढ़कर बोल रहा है। स्पोर्ट्स वियर और एथलीजर वियर ऐसी ड्रेस होती हैं, जिन्हें खासतौर से स्पोर्ट्स या जिम एक्टिविटीज के लिए डिजाइन किया जाता है। मसलन जॉगर्स, ट्रैक पैंट्स, लेगिंग्स, क्रॉप टॉप्स, हूडीज, स्नीकर्स और जैकेट्स आदि। ये ड्रेसेस डेली यूज के लिहाज से भी कंफर्टेबल और स्टाइलिश होते हैं। यह फैशन आमतौर पर युवा ही कैरी करते हैं, क्योंकि इसे कैरी करने के लिए बॉडी फिटनेस और फ्लैक्सिबिलिटी बहुत जरूरी है, तभी ये बेस्ट अपीयरेंस देती है।

**क्यों बढ़ रहा है क्रेज:** हाल के सालों में युवाओं में फिटनेस को लेकर क्रेज बढ़ा है, ज्यादा से ज्यादा यंगस्टर्स वर्कआउट करते हैं। आज के फिटनेस फ्रीक यंगस्टर्स ऐसी ड्रेस चाहते हैं, जो कंफर्टेबल और फैशनेबल होने के साथ-साथ उनकी फिटनेस को शो-ऑफ भी करे। ये सारी क्वालिटीज उन्हें स्पोर्ट्स और एथलीजर वियर में एक साथ मिल जाती हैं। ये ड्रेस ग्लोबल और ट्रेंडी फैशन का हिस्सा हैं। चाहे बॉलीवुड या हॉलीवुड के सितारे हों, मशहूर खिलाड़ी हों, बिजनेस टाईकून हों या किसी भी क्षेत्र के कामयाब युवा हों, वे फिट और स्मार्ट दिखने के लिए आजकल स्पोर्ट्स वियर को फैशन की तरह कैरी कर रहे हैं, इसलिए भी ये ड्रेसेस युवाओं को बहुत पसंद आ रही हैं। वे खूब चाव से इन्हें पहनते हैं।

**होते हैं कंफर्टेबल-मल्टीपर्पस:** एथलीजर और स्पोर्ट्स वियर हल्के, कंफर्टेबल और स्ट्रेचेबल फैब्रिक से बनाए जाते हैं। ये बॉडी के लिए ब्रिथेबल (सांस लेने योग्य) होते हैं, जिस कारण इन्हें लंबे समय तक पहना जा सकता है। साथ ही ये मल्टीपर्पस और मल्टीस्टाइल होते हैं। जिम, कैजुअल आउटिंग या ऑफिस के लिए भी ये उपयुक्त समझे जाते हैं।

**हर प्राइस रेंज में अवेलेबल:** मार्केट में हर प्राइस रेंज में एथलीजर और स्पोर्ट्स वियर अवेलेबल हैं। डिफरेंट ब्रांड्स और क्वालिटी के हिसाब से 500 से 1500 रुपए के लोअर रेंज, 1500 से 5000 रुपए के मिड रेंज और 5000 रुपए से शुरू होने वाले हाई-एंड रेंज में आपको ये स्पोर्ट्स वियर या एथलीजर मिल जाएंगे।

**जब कैरी करें स्पोर्ट्स-एथलीजर:** जब भी आप एथलीजर या स्पोर्ट्स वियर कैरी करें तो फिटिंग का ध्यान जरूर रखें। अधिक लूज स्पोर्ट्स वियर अटपटे लगते हैं। ये हमेशा फिट होने चाहिए। हालांकि इतने टाइट भी न हों कि आप असहज महसूस करें। दूसरी जो बात सबसे ज्यादा ध्यान देने की है कि आपके स्पोर्ट्स वियर का मैटीरियल क्या है? वास्तव में ये स्वेट विकिंग यानी पसीना सोखने वाला होना चाहिए और ब्रीथेबल यानी सांस लेने में योग्य तो होना ही चाहिए। स्पोर्ट्स वियर को हमेशा जितना संभव हो सादगी से पहनें। ये कैजुअल आउटिंग के लिए ही ठीक हैं। कभी फॉर्मल इवेंट में इन्हें कैरी करके न जाएं।

**इन बातों का भी रखें ध्यान:** न्यूट्रल और मोनोक्रोम लुक्स (जैसे-ब्लैक, व्हाइट, ग्रे) वाले एथलीजर और स्पोर्ट्स वियर इन दिनों ट्रेंड में हैं। इन्हें कैरी करते समय अपने शूज का भी ध्यान रखना जरूरी है। इनके साथ आप हमेशा क्लीन और ट्रेंडी स्पोर्ट्स शूज या स्नीकर्स ही कैरी करें। स्पोर्ट्स वियर में लेयरिंग लुक भी खूब पसंद की जाती है। लेयरिंग लुक हुडीज, जैकेट्स आदि से मिलती है। लेयरिंग लुक स्पोर्ट्स वियर के साथ बेहतरीन और स्टाइलिश कॉम्बिनेशन बनाती है। जहां तक स्पोर्ट्स वियर के साथ एक्सेसरीज की बात है तो वाच, कैप या स्लिंग बैग जैसे हल्के एक्सेसरीज स्पोर्ट्स वियर को 'वॉव' लुक देते हैं। लेकिन ओवर ड्रेसिंग से बचना चाहिए। *

खास मुलाकात
पूजा सामंत

कुछ समय पहले नेटफ्लिक्स पर 'ब्लैक वारंट' वेब सीरीज रिलीज हुई है। इसमें जेलर सुनील कुमार गुप्ता के लीड रोल में जहान कपूर नजर आ रहे हैं। बीते दौर के मशहूर अभिनेता शशि कपूर के ग्रैंडसन जहान ने इस वेब सीरीज से जुड़े एक्सपीरियंस और एक्टिंग करियर से जुड़े सवालों के जवाब दिए इस बातचीत में।

# मेरी पहचान वक्त के साथ आगे बढ़ेगी: जहान कपूर

जहान कपूर ने विक्रमादित्य मोटवानी के प्रोडक्शन में बनी वेब सीरीज 'ब्लैक वारंट' में जेलर सुनील कुमार गुप्ता का किरदार बहुत ही मैच्योर तरीके से निभाया है। हाल में पृथ्वी थिएटर में जहान कपूर से बातचीत हुई। पेश है इसके प्रमुख अंश-

**हालिया रिलीज वेब सीरीज 'ब्लैक वारंट' में लीड एक्टर के तौर पर आपका सेलेक्शन कैसे हुआ?**

'ब्लैक वारंट' की कास्टिंग मशहूर कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबरा ने की थी, उसमें मैंने भी ऑडिशन दिया। ऑडिशन के 2-3 महीने बाद मुझे विक्रमादित्य मोटवानी के ऑफिस से कॉल आया। मैं उस वक्त मकरंद देशपांडे के निर्देशन में 'सियाचिन' नाटक में मुख्य भूमिका निभा रहा था। विक्रमादित्य सर के साथ काफी बातचीत और 2-3 मीटिंग्स के बाद मुझे जेलर सुनील कुमार गुप्ता के रोल के लिए सेलेक्ट कर लिया गया।

**जेलर सुनील कुमार गुप्ता का किरदार निभाने के लिए आपको किस तरह की तैयारी करनी पड़ी?**

यह वेब सीरीज एक किताब 'ब्लैक वारंट : कंफेशन ऑफ ए तिहाड़ जेलर' पर आधारित है। इसे लिखा है खुद सुनील गुप्ता और सुनेत्रा चौधरी ने। मैंने सबसे पहले इस किताब को बारीकी से पढ़ा। मेरे रोल और लुक को लेकर काफी डिस्कशंस हुए। मूंछें पतली रखी जाएं या मोटी, बालों को कैसे रखा जाए, यूनिफॉर्म पहन कर कैसी चाल होगी, मेरा चलना शुरू में कैसे होगा, बाद में कैसे होगा? हर छोटी से छोटी बात पर ध्यान दिया गया। इस कहानी में मेरे किरदार के कई पहलू हैं। सुनील गुप्ता के मेंटल स्टेजेस को प्रेजेंट करना काफी मुश्किल था, किताब पढ़ने के बाद मुझे इसमें काफी हेल्प मिली। अब जब इस वेब सीरीज में मेरी एक्टिंग की खूब तारीफ हो रही है, तो बहुत अच्छा लग रहा है। इसका श्रेय मैं इस शो की पूरी टीम को दूंगा।

वेब सीरीज 'ब्लैक वारंट' के एक सीन में जहान कपूर

**जेलर सुनील गुप्ता के किरदार से आप खुद को कितना रिलेट करते हैं?**

यह सच है कि एक पारिवारिक संस्कारी युवक से सुनील कैसे गाली-गलौज करने वाले जेलर बन जाते हैं, कैसे कैदियों की फांसी देखते-देखते उनका दिल डेड जैसा हार्ड हो जाता है, इसे समझना बहुत मुश्किल था। जहां तक रियल लाइफ में सुनील कुमार गुप्ता के किरदार से रिलेट करने की बात है, तो मेरा फैमिली बैकग्राउंड उनसे पूरी तरह से अलग है। सिर्फ इतना कह सकता हूं कि सुनील की तरह ही मेरा स्वभाव भी सिंपल-सोबर है। मैं भी सुनील की तरह शांतिप्रिय और पॉजिटिव इंसान हूं।

**क्या आपने अभिनय में आने का निर्णय इसलिए लिया क्योंकि कपूर परिवार के ज्यादातर लोग अभिनय से जुड़े रहे हैं?**

यह सच है कि हमारे परिवार का लगभग हर दूसरा सदस्य एक्टिंग से जुड़ा है, लेकिन इसी वजह से मैंने भी यही राह पकड़ी ऐसा नहीं है। मेरी मां 'शोले' फेम निर्देशक रमेश सिप्पी की पुत्री शीना सिप्पी एक जानी-मानी फोटोग्राफर और पिताजी कुणाल कपूर एक्टर के साथ पृथ्वी थिएटर के एडमिनिस्ट्रेटर हैं। मुझे जब स्कूल में दाखिल किया गया तो सभी को अहसास हुआ कि मैं डिस्लेक्सिक हूं। मुझे पढ़ने में दिक्कत हो रही थी। मेरे मम्मी-पापा ने तुरंत इसका ट्रीटमेंट शुरू करवाया, तब जाकर मैं इससे बाहर निकला। इस वजह से मेरे करियर को लेकर बहुत ज्यादा प्लानिंग नहीं हुई। दसवीं क्लास के एग्जाम्स के बाद मैं पृथ्वी थिएटर से जुड़ गया। वहां बैक-स्टेज, सेट-डिजाइनिंग से लेकर प्रोडक्शन इंचार्ज तक, मुझे जो भी काम मिलता था, मैं कर लेता था। ग्रेजुएशन करने के दौरान ही मेरी मां ने मुझे एक एड एजेंसी में काम करने भेजा। मैंने इस एड एजेंसी में कॉपी राइटिंग, को-ऑर्डिनेशन से लेकर मॉडल शूट तक हर डिपार्टमेंट में काम सीखा। इन सबके बीच 'पृथ्वी थिएटर' के नाटकों में मेरा अभिनय भी चल रहा था। इसी तरह मुझे एक्टिंग से लगाव हुआ, और निर्देशक हंसल मेहता ने मुझे अपनी फिल्म 'फराज' में मौका दिया। इस तरह फिल्मों में बतौर एक्टर मैंने करियर बनाना डिसाइड कर लिया।

**क्या कपूर परिवार का होने की वजह से आप प्रेशर भी फील करते हैं?**

अभिनय की दुनिया में कपूर परिवार को सौ वर्ष हो चुके हैं। मैं शशि कपूर का पोता हूं। लोग आज कहते है मुझ में दादाजी (शशि कपूर) की छवि नजर आती है, यह सुनकर मुझे अच्छा लगता है, लेकिन उन्होंने जो महारत, जो मुकाम हासिल किया, क्या मैं वो क्या हासिल कर सकता हूं? पता नहीं! जाहिर-सी बात है मुझसे भी दर्शकों को कई उम्मीदें होंगी। मेरी तुलना लोग रणबीर, करीना, करिश्मा से भी करते होंगे। लेकिन इस सच्चाई को झुठलाया नहीं जा सकता कि इंसान को आगे बढ़ने के लिए टैलेंट के साथ किस्मत का साथ होना निहायत जरूरी होता है। और इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि हर किसी की किस्मत अलग ही होती है। हाथ की पांचों अंगुलियां एक समान होती हैं क्या? प्रतिभा है, पर मौके न मिलें तो प्रतिभा कैसे उजागर होगी? मैं कपूर खानदान से जुड़ा हुआ हूं, सिर्फ इसलिए घर पर बैठे-बैठे काम का इंतजार नहीं करता रहूंगा। मैं खुद कोशिशें करता रहूंगा। ऑडिशन देता रहूंगा। मुझे पूरा यकीन है कि मेरी पहचान वक्त के साथ आगे बढ़ेगी। *

### घर में वे सिर्फ मेरे दादाजी थे...

**अपने दादाजी** (शशि कपूर) को जहान कैसे याद करते हैं, उनकी कौन सी फिल्में उन्हें पसंद हैं पूछने पर जहान बताते हैं, 'फिल्मी पर्दे पर तो वे शशि कपूर थे, द अल्टीमेट हैंडसम हीरो। लेकिन घर में मुझे प्यार करने वाले, वे सिर्फ मेरे दादाजी थे। मेरी अंगुली पकड़ कर मुझे आइसक्रीम खिलाने ले जाते थे। अकसर मुझे और मेरी सिस्टर शायरा को इंग्लिश फिल्म दिखाने ले जाते थे। बहुत सुनहरे दिन थे वो। जहां तक उनकी फेवरेट फिल्म की बात है तो दादाजी की हर फिल्म तो मैंने देखी नहीं, लेकिन 'दो और दो पांच', 'कलयुग', 'शर्मिली', 'दीवार', 'जूनून', 'आ गले लग जा' मेरी पसंदीदा फिल्में रही हैं।'